Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 41 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 23 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

स्वरूप का भान नहीं होने देने वाली कषाय है।

Hindrance Knows one's own form is passion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज पेश करेंगी आम बजट

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कल संसद में आम बजट पेश करेंगी। आज शाम बजट को अंतिम रूप दिया गया है। बजट से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को बजट पेश करने से एक दिन पहले 22 जुलाई सोमवार को लोकसभा में प्री-बजट डॉक्यूमेंट यानि आर्थिक सर्वे 2023-24 पेश कर दिया है। केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि कल बजट लोकसभा में पेश किया जाएगा। इस बजट में विकास के लिए बहुत ज्यादा पैसे देने का ऐलान होगा। प्रधानमंत्री मोदी की सोच है कि हर वर्ग को न्याय मिलना चाहिए। ये बहुत सराहनीय बजट होगा।

महादेवसाल मंदिर में 6 गाड़ियों का होगा अस्थाई ठहराव

रायपुर (आरएनएस)। रेलवे प्रशासन द्वारा महादेवसाल मंदिर में आयोजित श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की विशेष सुविधा के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के महादेवसाल स्टेशन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने/चलने वाली गाड़ी 06 गाड़ियों का 02 मिनट के लिए अस्थायी ठहराव की सुविधा दी गई है। अस्थायी ठहराव की यह सुविधा आज से प्रभावी होकर 22 अगस्त 2024 तक उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 13287/13288 दुर्ग-आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस, 22 अगस्त 2024 तक प्रत्येक रविवार व सोमवार को महादेवसाल स्टेशन में 02 मिनट के लिए रुकेगी। गाड़ी संख्या 18109/18110 टाटानगर-इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस, 22 अगस्त 2024 तक प्रतिदिन महादेवसाल स्टेशन में 02 मिनट के लिए रुकेगी।

जम्मू-कश्मीर में सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी

श्रीनगर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाएगी। संगठन सचिव अशोक कौल ने सोमवार को यह जानकारी दी। कौल ने उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा, भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी और कश्मीर घाटी सहित सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। कौल ने दावा किया कि भाजपा विधानसभा चुनाव में 50 से अधिक सीटें जीतेगी और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएगी। 'विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में सरकार भाजपा की बनेगी' और कहा, 'जो लोग सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं वे हमारे दावे से इनकार नहीं कर सकते।'

छत्तीसगढ़ विधानसभा : मानसून सत्र के पहले दिन प्रदेश में शिक्षकों की कमी का उठा मुद्दा

रायपुर (आरएनएस)। विधानसभा मानसून सत्र के पहले ही दिन प्रदेश में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठा। चौंकाने वाली बात है कि रायपुर जिले में ही शिक्षकों के 1954 पद खाली होने की बात सदन में सामने आई है, इन रिक्त पदों की पूर्ति कब तक होगी, राज्य सरकार इसमें कोई स्पष्ट जवाब सदन में नहीं रख पाई।

स्कूलों में शिक्षकों की संख्या को लेकर उठे सवाल का जवाब स्कूल शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिया। उन्होंने सदन को बताया कि रायपुर जिले में 7939 शिक्षकों के पद हैं। इनमें 1954 पद खाली हैं। सीएम ने बताया कि पदोन्नति की प्रक्रिया के तहत इन पदों को भरा जा रहा है। हालांकि, सीधी भर्ती के रिक्त पदों को कब तक भरा जा सकेगा, इसकी समय-सीमा बताई नहीं जा सकती। सूत्रों के अनुसार इस दौरान बीजेपी विधायक मोतीलाल साहू ने बताया कि उनके क्षेत्र में 90 स्कूल हैं, जिनमें से अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। कई स्कूल हैं, जिनमें शिक्षक ही नहीं हैं। विधानसभा में शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भाजपा नेताओं से रामलला को भेंट किए बेर पर घेरा। उन्होंने कहा कि कहा कि अभी बेर का सीजन नहीं है। बेर न शिवरीनारायण में मिल रहा है और न ही रायपुर में, फिर अयोध्या बेर कहां से ले गए?

सत्र के पहले दिन दिवंगत पूर्व विधानसभा सदस्यों को दी गई श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही 5 दिवंगत पूर्व विधानसभा सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के साथ शुरू हुई. दिवंगत सदस्य मकसूदन लाल चंद्राकर, अमीन साय, लक्ष्मी प्रसाद पटेल, अग्नि चंद्राकर और अंतु राम कश्यप के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सदस्यों के निधन को राजनीति और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व सदस्यों के निधन पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी. इसके साथ नेता-प्रतपिक्ष डॉ. चरण दास महंत ने भी श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिवंगत पूर्व सदस्यों के साथ एक पारिवारिक संबंध रहा है. उनका जाना हम सबके लिए अपूर्णीय क्षति है.

डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति की हुई बैठक

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आज यहां विधानसभा के समिति कक्ष में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित समिति के सदस्य उपस्थित हैं.

बलौदाबाजार हिंसा पर गरमाया सदन

मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने बलौदाबाजार हिंसा का मामला उठाया।विपक्ष ने काम रोको प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग की इसे लेकर पक्ष विपक्ष आमने सामने हुए। सत्ता पक्ष ने न्यायिक आयोग की जांच का हवाला देकर चर्चा न करने की रखी मांग। न्यायिक आयोग को न्याय प्रक्रिया के अधीन है की नहीं ? अजय चंद्राकर ने कहा कि स्थगन स्वीकार करने योग्य नही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने व्यवस्था दी कि अभी मै विषय की ग्राह्यता पर सदस्यों के विचार सुन रहा हूं। इसलिए की चंद्राकर की आपत्ति खारिज की जाती है। धरमलाल कौशिक और दूसरे सदस्यों ने की आपत्ति। भूपेश बघेल ने अध्यक्ष की अनुमति से ऐसे विषय पर चर्चा की अनुमति दिए जाने का नियम पढ़कर सुनाया।

अयोध्या राम मंदिर दर्शन पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने उठाया सवाल

सदन में आज शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने साय मंत्रिमंडल के अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन पर सवाल उठाए। नेता प्रतिपक्ष की बातों पर राजेश मूणत सहित अन्य भाजपा विधायकों ने इस पर आपत्ति जताई। राजेश मूणत ने कहा कि जनता ने आपको बता दिया छत्तीसगढ़ में क्यों हारे? इस पर महंत ने कहा कि बातों को गलत दिशा में आपलोग ले जाते हैं इसीलिए अयोध्या, प्रयागराज हारे हैं। पीएम मोदी ने श्री राम सर्किट बनाने का वादा किया है, उसमें छत्तीसगढ़ का नाम नहीं है, उसे जोड़वा दें।

बजट 2047 तक विकसित भारत के सपने की मजबूत नींव रखेगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को एक बयान दिया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस तथ्य पर गर्व व्यक्त किया कि 60 वर्ष के अंतराल के बाद कोई सरकार लगातार तीसरी बार आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आई सरकार द्वारा बजट पेश करने के कार्य को देश एक गौरवशाली घटना के रूप में देख रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट अमृत काल के मील के पत्थर का बजट है और सरकार एक निर्धारित अवधि में दी गई गारंटियों को वास्तविक रूप से साकार करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बजट मौजूदा सरकार के अगले पांच वर्षों की दिशा निर्धारित करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने की मजबूत नींव रखेगा।उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले लगातार तीन वर्षों में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला देश है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण, निवेश और कार्य प्रदर्शन के कारण आज देश में उपलब्ध अवसर चरम पर हैं। यह देखते हुए कि अब राजनीतिक दलों के बीच सभी लड़ाइयां लड़ी जा चुकी हैं और नागरिकों ने लोकसभा चुनाव के समापन के बाद सरकार चुनी है, प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से एक साथ आकर अगले 5 वर्षों के दौरान देश के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने संगठनों से ऊपर उठने और अगले साढ़े चार वर्षों के लिए संसद के गरिमामय मंच का उपयोग करके राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जनवरी 2029 में चुनाव की रणभूमि में अवश्य जाएं पर तब तक आपकी एकमात्र प्राथमिकता देश, इसके गरीब, किसान, महिलाएं और युवा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित भारत के सपनों और संकल्पों को साकार करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कुछ राजनीतिक दलों के नकारात्मक दृष्टिकोण के कारण कई सांसदों को अपने विचार और अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों को सामने रखने का कोई अवसर नहीं मिला है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि वे सभी सदस्यों, खासकर पहली बार चुनकर आए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर दें।

नरेन्द्र मोदी ने लोगों को निर्वाचित सरकार और संसद में प्रधानमंत्री के भाषण पर अंकुश लगाने के बारे में याद दिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं में इसका कोई स्थान नहीं है। प्रधानमंत्री ने सांसदों को स्मरण कराया कि देश की जनता ने राजनीतिक दलों के एजेंडों के लिए नहीं बल्कि देश की सेवा के लिए अपना जनादेश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सदन राजनीतिक दलों के लिए नहीं है, बल्कि यह सदन देश के लिए है। यह सांसदों की नहीं, बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा के लिए है।

अपने संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह विश्वास व्यक्त किया कि सभी संसद सदस्य सार्थक चर्चा में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि देश को सकारात्मक विचारों की आवश्यकता है ताकि इसे आगे ले जाया जा सके। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले विचार बुरे नहीं होते, बल्कि नकारात्मक विचार ही विकास में बाधा डालते हैं। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर का उपयोग आम नागरिकों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय की संवेदनशील पहल

छत्तीसगढ़ की पबिया, पवियां, पवीया जाति को अनुसूचित जनजातियों की सूची में पाव जाति के साथ शामिल करने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वर्षों से अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्राप्त करने की बाट जोह रही छत्तीसगढ़ की पबिया, पविया, पवीया जाति को अनुसूचित जनजातियों की सूची में पाव जाति के साथ शामिल करने के लिए संवेदनशील पहल की है। मुख्यमंत्री ने इन जातियों का नृजातीय अध्ययन प्रतिवेदन अनुशंसा सहित भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय को आगे की कार्यवाही के लिए भेजा है।

प्रदेश भर से आए पाव, पबिया, पविया, पवीया जाति के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक श्री रामकुमार यादव के नेतृत्व में आज विधानसभा के समिति कक्ष में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उनकी इस संवेदनशील पहल के लिए आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों की लंबे समय से अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल होने की मांग थी। राज्य शासन द्वारा अनुशंसा सहित प्रतिवेदन भारत सरकार को भेजा गया है। उम्मीद है इसका सकारात्मक परिणाम आएगा। उन्होंने बारिश के मौसम में प्रदेश भर से रायपुर आने के लिए प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि मध्यप्रदेश के समय उन लोगों के अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्र बन रहे थे, लेकिन मात्रात्मक त्रुटि के कारण पिछले 22 वर्षों से प्रमाण पत्र बनना बंद हो गया है, इसकी वजह से हमारे बच्चों को अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाले लाभ नहीं मिल पा रहे हैं।

राहुल गांधी का शिक्षा मंत्री से सीधा सवाल, पेपर लीक रोकने के लिए क्या कर रहे हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन नीट पेपर लीक मामले की गूंज सुनाई दी। नेता प्रतिप्रक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के निशाने पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान थे। राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री से सीधा सवाल किया कि पेपर लीक यदि संस्थागत खामी है तो इसे ठीक करने के लिए वह क्या कर रहे हैं? हमारी परीक्षा जांच व्यवस्था में बहुत गंभीर खामी है। लोगों और छात्रों का विश्वास परीक्षा व्यवस्था से उठ रहा है। अखिलेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी सीटें 30 हजार हैं और हर सेंटर पर दो हजार से ढाई हजार बच्चे पास हुए हैं। ये मंत्री जी रहेंगे तो बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा।

लोकसभा में राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि यह पूरे देश को पता है कि हमारी परीक्षा जांच व्यवस्था में बहुत गंभीर खामी है। यह समस्या केवल नीट परीक्षा में नहीं, बल्कि सभी मुख्य प्रतियोगी परीक्षाओं में है। शिक्षा मंत्री ने खुद को छोड़कर हम सभी पर आरोप लगाए हैं। सदन में जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि नीट प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक हुआ है, इसका कोई साक्ष्य नहीं है। शिक्षा मंत्री के इस जवाब पर कटाक्ष करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मंत्री को यह पता नहीं है कि यहां क्या हो रहा है? राहुल ने कहा कि बात यह है कि देश के लाखों छात्र परीक्षा प्रक्रिया को लेकर चिंतित हैं। वे मानते हैं कि प्रवेश परीक्षाएं फर्जी हो गई हैं। बात यह है। लाखों लोग मानते हैं कि अगर आपके पैसा है तो आप भारतीय शिक्षा व्यवस्था को खरीद सकते हैं। लोगों की इस सोच से विपक्ष के सांसद भी सहमत हैं।कांग्रेस सांसद ने कहा कि इसलिए हम लोग शिक्षा मंत्री से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। पहला सवाल यह है कि अगर यह संस्थागत खामी है तो इसे दूर करने के लिए आप क्या कर रहे हैं?

शिक्षा मंत्री ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' से जुड़े मामले पर सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए विपक्ष के आरोपों के संदर्भ में यह भी कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पिछले सात वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस बार राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 4,700 केंद्रों पर हुई थी, लेकिन सिर्फ एक जगह बिहार में गड़बड़ी का मामला सामने आया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पूरक प्रश्न पूछते हुए दावा किया कि पिछले सात वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं। इस पर प्रधान ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है।

नीतीश को बड़ा झटका : बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

केंद्र ने संसद में बताई वजह

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंबे समय से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठती आ रही है। इसे लेकर सोमवार को मानसून सत्र के दौरान जेडीयू सांसद रामप्रीत मंडल ने सरकार से सवाल किया जिसपर जवाब देते हुए वित्त राज्य मंत्री ने साफ कहा कि बिहार स्पेशल स्टेटस के क्राइटेरिया में फिट नहीं है। इसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दें, बीते कई सालों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठती रही है। अभी हाल ही में रविवार को भी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के दौरान जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय झा ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने की मांग को उठाया था। बता दें, सीएम नीतीश कुमार भी कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं।

बता दें, भारतीय संविधान के आर्टिकल 275 के मुताबिक किसी राज्य को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा दिए जाने के प्रावधान हैं। वर्तमान में देश में कुल 29 राज्य हैं और 7 केंद्रशासित प्रदेश, जिनमें से 11 राज्यों को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन अब भी बिहार, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा समेत पांच राज्य हैं जो विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। आर्टिकल 275 में बताया गया है कि किन स्थितियों में किसी राज्य को यह विशेष दर्जा दिया जा सकता है। इन प्रावधानों के मुताबिक उन राज्यों को यह दर्जा दिया जा सकता है, जहां पहाड़ी या मुश्किल भौगोलिक स्थितियां हों, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के लिहाज़ से राज्य रणनीतिक महत्व का हो, प्रति व्यक्ति आय बहुत कम हो, आबादी का घनत्व कम हो या आदिवासी बहुल आबादी हो या फिर आर्थिक और संरचनात्मक पिछड़ापन और राजस्व के स्रोतों की कमी हो।

जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर का आरम्भ, अब 24 घंटे ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे शिकायत, त्वरित होगा निराकरण

दिव्यांगों के लिए भी विशेष सुविधा, वीडियो कॉल में सांकेतिक माध्यम से साझा कर सकेंगे समस्या

कॉल सेंटर के माध्यम आम जनता की समस्याओं पर जल्द समाधान किया जाएगा : कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। अब जिला प्रशासन के कॉल सेंटर के माध्यम से भी ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। यह सुविधा 24 घंटे मिलेगी और त्वरित समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इसके लिए हेल्पलाइन नंबरी भी जारी किया गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर के कमरा नंबर 4 में जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अभिलाषा पैकरा उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए कॉल सेंटर से आमजनों को बड़ी राहत मिलेगी। शहर से संबंधित, राजस्व व अन्य विभागों के मामलों

हेल्पलाइन नंबर जारी- 9977222564, 9977222574, 9977222584, 9977222594 नागरिक कर सकते हैं सम्पर्क

की जानकारी फोन कॉल के माध्यम से दे सकते है। जानकारी प्राप्त होने के तत्पश्चात जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा कॉल सेंटर में मोबाइल नंबर 9977222564, 9977222574, 9977222584, 9977222594 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते है। दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा दी गई है। इस कॉल सेंटर में दिव्यांग भी अपनी समस्याओं से जिला प्रशासन को अवगत करा सकते है। दिव्यांगों की समस्याएं वीडियो कॉल में सांकेतिक माध्यम से सुने जाएंगे।

ऐसे होगा शिकायतों का निवारण : हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आवेदक कॉल कर अपनी समस्या शिकायत दर्ज कराएंगे। कॉल सेंटर की टीम शिकायतकर्ता व आवेदक से बात करती है, उनकी समस्या सुनती है और उसे कॉल सेंटर के पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे। केस दर्ज करने के बाद व्हाट्सएप के द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारी को मामले की जानकारी भेजी जाएगी। प्रकरण का त्वरित निराकरण किया जाएगा। जब तक शिकायत का निराकरण नहीं होता, तब तक कॉल सेंटर समस्याओं पर संबंधित विभाग एवं अधिकारी से फॉलोअप करेगा। समस्या के निराकरण हो जाने पर आवेदक को कॉल करके सूचित किया जाएगा और पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा।

रामकृष्ण केयर अस्पताल की कैंसर के खिलाफ मुहिम, पिंक एक्सप्रेस वैन का स्वास्थ्य मंत्र ने किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। कैंसर के प्रारंभिक पहचान के लिए, छत्तीसगढ़ के रामकृष्ण केयर अस्पताल, रायपुर के मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे और माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा एक मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग बस का उद्घाटन किया गया है। यह बस पूरे राज्य में यात्रा करेगी ताकि प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर, मुख कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की पहचान की जा सके। स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद, एक कुशल डॉक्टरों की टीम मरीजों को आगे के कैंसर उपचार के लिए मार्गदर्शन करेगी, जिससे समय पर सटीक चिकित्सा व देखभाल सुनिश्चित हो सके।

स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग थर्मोग्राफी द्वारा की जाएगी - यह एक नई तकनीक है जिसमें बिना स्पर्श, बिना दर्द और बिना रेडियेशन के स्क्रीनिंग किया जायेगा। इस पहल को डॉ. रवि जायसवाल, डॉ. देवा दुलाल बिश्वाल, डॉ. सौरभ जैन, ऑन्कोलॉजी विभाग एवं सनराइज फाउंडेशन (एनजीओ) और सन एंड सन ग्रुप के श्री श्याम शर्मा जी द्वारा किया जा रहा है।

'यह पहल उन लोगों के लिए वरदान साबित होगी जो कैंसर की स्क्रीनिंग तक आसानी से पहुंच नहीं पाते है और विशेष रूप से वे जो वंचित पृष्ठभूमि से हैं और अक्सर डर और संसाधनों की कमी के कारण बहुत उन्नत चरण में कैंसर का निदान नहीं करवा पाते हैं, 'डॉ. रवि जायसवाल ने एक बयान में कहा।' हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी महिला स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से जान न जाये, इसके लिए हमें बड़े पैमाने पर कैंसर स्क्रीनिंग अभियान चलाने की जरूरत है। 'इस अवसर पर हमने एक नि:शुल्क स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया और 100 से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर और 50 पुरुषों की मुख कैंसर के लिए स्क्रीनिंग की, जिससे इस कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हितग्राहियों को प्रतिमाह मिलेगा 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत देश के एक करोड़ घरों के छतों पर सौर पैनल स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही 78000 तक की अधिकतम सब्सिडी तथा सस्ते ब्याज पर लोन भी प्रदान की जाएगी। क्रेडा के जिला प्रभारी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में छत पर सौर प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अधिक आय, कम बिजली और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा नवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोत के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि छतों पर सौर पैनल स्थापना हेतु हितग्राहियों को प्राप्त होने वाले अनुदान के अंतर्गत रूफटॉप सोलर प्लांट की क्षमता 01 से 02 किलोवॉट तथा 0 से 150 यूनिट विद्युत खपत होने पर 30 हजार से 60 हजार रूपये की राशि का अनुदान

प्रदान की जाएगी। इसी तरह रूफटॉप सोलर प्लांट की क्षमता 2 से 3 किलोवॉट तथा 150 से 300 यूनिट विद्युत खपत होने पर 60 हजार से 78 हजार रूपये की अनुदान प्रदान की जाएगी। इसी तरह रूफटॉप सोलर प्लांट की क्षमता 03 किलोवॉट तथा 300 यूनिट से अधिक विद्युत खपत होने पर 78 हजार रूपये की अनुदान प्रदान की जाएगी।

जिला प्रभारी क्रेडा ने बताया कि इसके लिए लाभार्थियों के बैंक खाते में सीधे अनुदान राशि का अंतरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा हितग्राहियों को बैंक खाते में सीधे दी जाने वाली सब्सिडी से लेकर रियायती बैंक ऋण सुनिश्चित की जाएगी। जिससे हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। योजना का लाभ लेने हेतु हितग्राही प्रधानमंत्री सूर्य घर डॉट जीओवी डॉट इन या प्रधानमंत्री सूर्य घर ऐप्प डाउनलोड कर पंजीयन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के ईच्छुक हितग्राही क्रेड़ा जिला कार्यालय बलौदाबाजार में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इसके साथ ही क्रेडा जिला कार्यालय के सहायक अभियंता श्री इंदुभूषण साहू, मोबाईल नंबर 9907477333, श्री करण सोनी उप अभियंता, मोबाईल नंबर 8085550307 तथा श्री खगेश साहू के मोबाईल नम्बर 9329677725 से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सीबी बाजपेयी दूसरी बार पहुंचे बलौदाबाजार

आयोग कार्यालय के अधिसूचना एवं प्रक्रिया विनियम को दिया गया अंतिम स्वरूप

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के ग्राम महकोनी स्थित अमर गुफा में जैतखाम तोड़े जाने की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सी बी बाजपेयी आज दूसरी बार बलौदाबाजार पहुंचे. उन्होंने आज बैठक कर आयोग कार्यालय के लिए अधिसूचना एवं प्रक्रियाविनियम को अंतिम स्वरूप प्रदान करते हुए शासन को प्रेषित किया गया है। ताकि आने वाले दिनों में अधिसूचना राजपत्र सहित दैनिक समाचारों में प्रकाशित हो सके. इसके साथ ही श्री बाजपेयी ने कार्यालय के बाहर आयोग कार्यालय संबधित बोर्ड लगाने, कार्यालय में कर्मचारियों की नियुक्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश आयोग के सचिव को दिए है। गौरतलब की राज्य शासन द्वारा 15 मई व 16 मई 2024 के मध्यरात्रि को जिला बलौदाबाजार-भाटापारा अंतर्गत ग्राम महकोनी, अमरगुफा में स्थित जैतखाम को क्षतिग्रस्त किये जाने की घटना की जांच हेतु एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है। जिसके अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय श्री सी.बी.बाजपेयी को नियुक्त किया गया है।

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में कर्मचारियों ने की कलमबंद हड़ताल

रायपुर (विश्व परिवार)। नव नियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ द्वारा अपनी मांगों को लेकर तीन चरणों में आंदोलन किया जा रहा है। जिसका प्रथम चरण में काला फिता लगाकर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया इसके पश्चात द्वितीय चरण में आज दिनांक 22.7.2024 पूरा छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकाय मे कलम बंद हड़ताल किया गया। जिसके अनुक्रम में नगर पालिका परिषद कुम्हारी के सभी कर्मचारियों द्वारा कलम बंद रख कर संघ द्वारा मांग का समर्थन किया गया।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ के अधिकांश नगरीय निकायो में 2-4 माह का वेतन भुगतान लंबित रहता है। जिससे अधिकारियों कर्मचारियों को परिवार का भरण-पोषण करने में विकराल समस्या उत्पन्न हो गया है। साथ ही मानसिक तनाव भी बना हुआ है। उक्त संबंध में विभागीय मान मंत्री जी को समस्या से अवगत कराया जा चुका है किन्तु समस्या जस का तस बरकरार है। संघ द्वारा लगातार समस्या का स्थायी निदान हेतु बारंबार निवेदन मंत्री जी से लेकर उच्च कार्यालय से किया गया किन्तु कहीं से कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त होने पर संघ के आव्हान पर पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश नगरीय निकायो में चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है।कलम बंद हड़ताल सरकार की ओर ध्यान आकर्षण कराने हेतु रखी गई है। उक्त हड़ताल में निकाय के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त हुआ।

पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने पुलिस मुख्यालय में डायल 112 के कर्मचारियों को किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 22.07.2024 को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा (भा.पु.से.) द्वारा डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा जिला रायगढ़ के राइनो-1 आरक्षक विपिन किशोर खलखो और चालक छोटू दास को किया गया सम्मानित।

ज़िला रायगढ़ थाना कापू क्षेत्रांतर्गत ग्राम पारेमेर घुटरूपारा में एक महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है की सूचना पर ईआरव्ही कापू रायनो-1 को मौके पर तत्काल रवाना किया गया। त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुँकर ईआरव्ही टीम को कॉलर ने दुरभाष में बताया कि पीड़ित महिला का गांव लैलूंगा घुटरूपारा लगभग 3 किमी पहाड़ी के ऊपर है। पीड़िता के घर तक का पहुँच मार्ग खेत, नाला व पगडण्डी का था, जिस पर 112 वाहन का पहुंचना संभव नहीं था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डायल 112 की टीम पैदल पीड़िता के घर तक पहुंची। डायल 112 टीम ने देखा कि पीड़िता प्रसव पीड़ा से तड़प रही थी तथा उसे अस्पताल ले जाने कोई साधन उपलब्ध नहीं था न ही पीड़ीता डायल 112 वाहन तक जाने में सक्षम थी। टीम ने सुझबुझ का परिचय देते हुए पीड़िता को कांवर में बैठाकर पैदल खेत, नाला व पगडण्डी के रास्ते मितानिन व परिजनों के साथ ला रहे थे। परन्तु रास्ते में प्रसूता की पीड़ा अत्यधिक बढ़ जाने से नाला किनारे पेड़ के नीचे मितानिन ने महिला सदस्यो के सहयोग से प्रसूता का सुरक्षित प्रसव करवाया गया। प्रसव उपरान्त प्रसूता को कांवर में तथा नवजात शिशु को गोद में लेकर नाला पार किया गया और डायल 112 वाहन तक पहुँचे। टीम ने नवजात शिशु व प्रसूता को ईआरव्ही वाहन में सुरक्षित बैठाकर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमरगा पहुँचाया गया।

डायल 112 टीम द्वारा सुझबुझ व कर्त्तव्य परायणता का परिचय देते हुए प्रसूता व नवजात शिशु को समय पर आपातकालीन सहायता पहुँचाने के फलस्वरूप पीड़ित महिला के परिजनों द्वारा डायल 112 टीम का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया।

डायल 112 टीम के कर्मचारी आरक्षक 637 बिपिन किशोर खलखो एवं चालक छोटू दास को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा (भा.पु.से.) द्वारा नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर अति. पुलिस महानिदेशक श्री प्रदीप गुप्ता, पुलिस अधीक्षक (डायल 112) श्री अविनाश ठाकुर एवं डायल 112 के स्टाफ उपस्थिति रहे।

बिरकोना में किसान कोमल साहू की संदेहास्पद मृत्यु की जाँच कर परिवार को न्याय दिलाने विधायक ने ध्यानाकर्षण में उठाया मुद्दा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में पीएम श्री योजना, राजस्व व वन विभाग से सम्बंधित उठाया प्रश्न

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मॉनसून सत्र आज से शुरू होगा। इस सत्र में पांच बैठकें होंगी। इस दौरान विधानसभा के प्रथम दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पीएम श्री योजना, राजस्व विभाग एवं वन विभाग से सम्बंधित प्रश्न सदन में उठाए। इसके साथ ही उन्होंने सदन में ध्यानाकर्षण के दौरान कबीरधाम जिले के बिरकोना में किसान कोमल साहू के संदेहास्पद स्थिति में हुई मृत्यु की जांच के विषय में भी ध्यान आकर्षित किया।

विधायक भावना बोहरा ने किसान कोमल साहू की संदेहास्पद स्थिति में हुई मृत्यु को मृतक के परिवारजनों द्वारा हत्या की दृष्टि से इसकी जांच करने की मांग करने की बात कही।उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा इस हादसे की जांच हेतु एसआईटी का गठन करने के निर्देश दिए था और 7 दिवस के भीतर इसकी रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे, लेकिन अब तक एसआईटी द्वारा जांच का प्रतिवेदन नहीं सौंपा गया है। जांच में हुए विलंब के कारण परिवार को न्याय मिलने में भी देरी हो रही है इसलिए उनके परिवार के हित को देखते हुए जल्द से जल्द हत्या के दृष्टिकोण से इसकी जांच की जाए। इसके साथ ही पुलिस द्वारा जांच में इस हादसे को आत्महत्या बताया जा रहा है, परिवारजनों का अनुरोध है कि यदि यह आत्महत्या है तो इसमें कोमल साहू को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की दृष्टि से भी जांच की जाए ताकि इस मामले की सच्चाई सामने आए और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

उन्होंने आगे कहा कि पंचनामें के बाद जिस व्यक्ति के हस्ताक्षर पंचनामे में लिए गए उसी व्यक्ति के हस्ताक्षर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी उपस्थित हैं परंतु वह व्यक्ति पोस्टमार्टम के पश्चात या पोस्टमार्टम के वक्त उस स्थान पर उपस्थित नहीं था, तो फिर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर कैसे उपस्थित हो सकते हैं? यह भी एक जांच का विषय है और कहीं न कहीं इस घटना में व उसकी जांच में संदेह पैदा करता है। गृह मंत्रालय एवं पुलिस प्रशासन द्वारा इस घटना को गंभीरता से लेने की बात कहते हुए भावना बोहरा ने इसकी जांच जल्द करने एवं यदि यह हत्या है और अगर आत्महत्या है तो उसके लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग उनके द्वारा की गई। ध्यानाकर्षण के दौरान भावना बोहरा द्वारा उठाये इस विषय में कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने भी चर्चा करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव सदन में रखे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रशन करते हुए पूछा कि पीएम श्री योजना के तहत कितने स्कूलों को स्वीकृति दी गई है, वर्तमान में कितने स्कूलों का संचालन किया जा रहा है एवं शेष स्वीकृत स्कूलों का संचालन कब तक शुरू किया जाएगा? उन्होंने जिलेवार स्कूलों की जानकारी देने के साथ ही पंडरिया विधानसभा अंतर्गत कुल कितने पीएम श्री स्कूलों को स्वीकृति दी गई है एवं उनमें से कितने स्कूल संचालित है व अन्य शेष स्कूल कब तक स्वीकृति दी जाएगी इस विषय में सदन के समक्ष प्रश्न रखा। जिसका मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लिखित में उत्तर देते हुए कहा कि प्रदेश में प्रथम चरण अंतर्गत 211 पीएमश्री शालाएं एवं तृतीय चरण में दिनांक 08.07.2024 अंतर्गत 52 शालाएं भारत सरकार से स्वीकृत हुई है। इस प्रकार से कुल 263 शालाएं स्वीकृत हैं।

खाद बीज की उपलब्धता एवं गुणवत्ता को लेकर कृषि केंद्रों का सतत निरीक्षण जारी

7 दुकानों में अनियमितता मिली, नोटिस जारी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले के कृषकों को गुणवत्ता युक्त एवं उचित दर पर खाद, बीज एवं कीटनाशक उलब्ध कराने के उद्देश्य से उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक द्वारा विकासखण्ड-भाटापारा के कृषि केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जिसमें कृषि दुकानों द्वारा अनियमिता बरतने के चलते 7 दुकानों को नोटिस जारी किया गया है। श्री नायक ने ग्राम देवरी के साहू कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया जिसमें प्रोप्राईटर अनुपस्थित पाया गया एवं विक्रय केन्द्र व्यवस्थित न होने के कारण, ग्राम तरेंगा के न्यू साहू कृषि केन्द्र में कालातीत बीज एवं कीटनाशक का नियमानुसार भण्डारण नहीं पाये जाने के कारण नोटिस जारी किया गया है।विकासखण्ड सिमगा के निरीक्षक आर.ए. राठौर द्वारा सिमगा के सांई कृषि केन्द्र, सोनकर कृषि केन्द्र, किसान कृषि केन्द्र एवं आकाश कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान विक्रय केन्द्रों में बिल बुक एवं स्टॉक पंजी उचित संधारण नहीं पाये जाने के कारण, कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विकासखण्ड कसडोल में उर्वरक निरीक्षण धनेश्वर साय द्वारा आचार्य कृषि केन्द्र, कसडोल का निरीक्षण किया गया।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज.परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27, नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094 E-mail ID:- em_zone2@yahoo.com

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हितग्राहियों को लीज में छत्तीगसढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त भवन/फ्लैट को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि 15 दिवस के अंदर कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

क्रमांक	आबंटी का नाम	पिता/पति का नाम	भवन क्रमांक	कॉलोनी का नाम
1.	श्रीमति निशा ए. सालोमन	स्व. श्री अरूण कुमार सालोमन	एल.आई.जी. भवन क्रमांक-208	दीनदयाल आवास योजना गातापार, अभनपुर, रायपुर
2.	श्री हितेन्द्र तिवारी	स्व. श्री उमाशंकर तिवारी	स्वतंत्र भवन क्रमांक-336	अटल आवास योजना बेलभाठा, अभनपुर, रायपुर
3.	श्री विकास शील	श्री राकेश कुमार	भूखण्ड क्रमांक-99	विशेष आवासीय योजना धरमपुरा रायपुर

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

Kushabhau Thakre Patrakarita Avam Jansanchar Vishwavidyalaya
Admission Notice 2024
University of Journalism & Mass Communication
Kathadih (Bhatagaon), Raipur- 492013, Chhattisgarh. www.ktjum.ac.in

Under Graduate Courses (Hon.)*
BA (Mass Communication)
B.Sc. (Multimedia)
B.Sc. (Electronic Media)
B.Sc. (Graphics and Animation)
BBA (Bachelor of Business Administration)
BBA (Hospital Administration)
BBA (E-Commerce)
*All Under Graduate honours Courses shall be run as per National Education Policy 2020

Post Graduate Diploma Courses
Journalism DCA
Event Management PGDCA
Corporate Communication
For Carrier Guidelines and Course Curriculum please contact the respective Heads of Department.

Post Graduate Courses
MJ (Master of Journailsm)
MA (Advertising and Public Relations)
MA (Mass Communication)
MA (Health Communication)
MA (Tourism and Travel Communication)
MA (Rural and Tribal Communication)
MA (Digital Media)
M.Sc. (Electronic Media)
MA (Film Studies)
MBA (Hospital Administration)
MBA (Media Management)
MBA (Human Resource Development)
MA (Prayojanmulak Hindi, Sahitya Avam Anuvad)
MA (Chhattisgarhi)
MSW, B.Lib & I.Sc, M.Lib & I.Sc

Applications are invited for vacant seats. For more information regarding online applications and admissions, please visit the university website: www.ktujm.ac.in.
For online application form fillup / Computer related difficulties - Please call on 0771-2969202 Registrar I/c

SAMVAD- 40902/ 13

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कोटा कॉलोनी,** रायपुर में निर्मित **ए टाईप** भवन योजना के अंतर्गत, दुकानों/ भूखण्डों/ भवनों में से भूखण्ड/ **भवन क्रमांक A-122 श्रीमती ज्योति रजक पति- श्री पवन रजक** को भाड़ाक्रय/ पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **05/07/2021** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **12/07/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती ज्योति पाण्डेय पति- श्री रजनीश पाण्डेय** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के **15 दिन** के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी वीर सावरकर नगर **हीरापुर,** रायपुर में निर्मित जनता योजना में से भवन/भूखण्ड क्र. **जनता-1236 श्री हीरालाल तंडिया पिता- पुहुपराम तंडिया** को स्ववित्तीय/ एकमुश्त/ ऑफर आधार पर आबंटित/ नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक **10/06/2008** को लीजडीड/ सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **सुश्री योजना कलमकर पिता- श्री वी.ए. कलमकर** के पक्ष में दिनांक **19/09/2018** को विक्रय कर दिया।

तद्रुपरांत क्रता द्वारा उक्त भवन/ भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/ भूखण्ड क्रेता **सुश्री योजना कलमकर पिता- वी.ए. कलमकर** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से **15 दिन** के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति: प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11831/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 10-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11831
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104H00364** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RIJAUL MANDAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL MANDAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ईजाजुल मंडल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री मोजामल मंडल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13147/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 22-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13147
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00499** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANGEETA GUHA** पिता/पति श्री/श्रीमती **K.K. GUHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAVITA JOHN** पिता/पति श्री/श्रीमती **ALEXANDER KEWAL JOHN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयत नामा, अंतिम इक्षा पत्र, शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13231/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 22-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13231
वार्ड का नाम- 45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757C00113** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. KAMALA W/O SHYAM SUNDAR, SMT. NIRMALA W/O BHOJRAJ, SMT. TARA URF PRERNA W/O YOGENDRA SHARMA S/O LATE. RISHPAL JOSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. सौरभ पाटिल 2. विवेक पाटिल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनों पिता दिलीप पाटिल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13230/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 22-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13230
वार्ड का नाम- 45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E00603** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDRA DEVI POPTANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SURESH KUMAR POPTANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. नीरज गुप्ता 2. निशांत गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनों पिता स्व. सुरेश चंद गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13247/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 22-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13247
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K01465** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NITESH MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DYA NIDHI MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANUPAMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMESH KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13250/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 22-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13250
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802H00960** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANORAJAN GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BRIJ KISHOR GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANSHULATA SHRIWAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AKASH KUMAR SHRIWAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 23 जुलाई 2024

अब तय नहीं करनी होगी लंबी दूरी, पहाड़ी कोरवाओं को नजदीक के दुकानों में मिलेगी राशन पूरी

छह दूरस्थ गांव के ग्रामीणों का सहारा बना पीडीएस

कोरबा(विश्व परिवार)। बेहतर वितरण प्रणाली से देश-विदेश में अपनी पहचान साबित कर चुकी छत्तीसगढ की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस)सही मायने में ग्रामीणों के लिये वरदान साबित हो रही है। दूरस्थ अंचल तक शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालित होनें से पहाडी व सरहदी इलाकों में बसने वाले ग्रामीणों को सहूलियते बढ गई है साथ ही सैकड़ों गरीब परिवारों को समय पर खाद्यान्न मिलने की गारंटी भी हो गई है। जिलें में ऐस कई ग्राम पंचायत है जो दूरस्थ क्षेत्र में होने के साथ ही मजरा टोले एवं पारा से जुड़े है और इन ग्रामों की आबादी न तो घनी है है और न ही अधिकांश घर आस पास है। विषम परिस्थितियों के बीच बसर करने वाले ग्रामीणों का शासकीय उचित मूल्य की दुकान खाद्यान्न सहायता योजना अंतर्गत मिल रही खाद्यान्न ही एकमात्र सहारा है, जहां इन्हें प्रत्येक माह चावल समेत दूसरी सामग्री मिलने की गारंटी होती है। जिले के लामपहाड़ सहित बगदरीडांड, परसाखोला, बहेरा, खोरी भावना,सरडीह के कार्डधारियों को पहले अपने ग्राम पंचायत में 12 से 17 किलोमीटर तक की दूरी तय कर खाद्यान्न लाना पड़ता था। इस दौरान उन्हें खाद्यान्न लाने के लिए किराए का वाहन तक भी लेना पड़ता था। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश पर खाद्य विभाग ने राशन दुकान से बहुत दूर आश्रित ग्रामों के कार्डधारियों को नजदीक के राशन दुकानों में खाद्यान्न लेने की व्यवस्था की है। इस व्यवस्था से सबसे ज्यादा दूरस्थ क्षेत्र लामपहाड,सरडीह,बगदरीडांड में रहने वाले पहाड़ी कोरवा लाभन्वित हुए हैं। कोरबा विकासखंड से लगभग 80 किलोमीटर दूर ग्राम लामपहाड में बड़ी संख्या में पहाड़ी कोरवा निवास करते हैं। लामपहाड़ ग्राम पंचायत बड़गांव का आश्रित ग्राम है। जो कि बड़गांव से 12 किलोमीटर दूर है। कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा लामपहाड़ से लगभग 4 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत अरसेना के शासकीय उचित मूल्य के दुकान में 78 राशनकार्डधारियों को खाद्यान्न प्रदान करने की सुविधा प्रदान की गई है। इसी तरह ग्राम पंचायत बेला से 6 किलोमीटर दूर परसाखोला के 66 राशनकार्डधारियों को दो किलोमीटर दूर चुईया के राशन दुकान में खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई है। ग्राम सोनगुड़ा के आश्रित ग्राम तराईडांड की दूरी 5 किलोमीटर दूर होने पर नजदीक के ग्राम 1.5 किलोमीटर दूरी पर स्थित सोनपुरी में, गढ़उपरोड़ा के आश्रित ग्राम बहेरा की दूरी 10 किमी होने पर तीन किलोमीटर दूर सतरेंगा में और ग्राम पंचायत केराकछार के आश्रित ग्राम बगदरीडांड, खोरीभावना, सरडीह की दूरी लगभग 17 किलोमीटर थी।

संक्षिप्त समाचार

भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिलेगा स्वयं का भवन : कलेक्टर

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर एवं भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्र जिसके पास भूमि उपलब्ध हैं,वह शीघ्र ही प्रस्ताव बना कर भेजे, वहां पर पक्के आंगनबाड़ी भवन निर्माण की स्वीकृति देकर, निर्माण कराया जायेगा, यह निर्देश कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिये. कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में जिले में आंगनबाड़ी भवन की जानकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका के स्वीकृत भरे और रिक्त पदों की जानकारी, पूरक पोषण आहार, एन आर सी में लाभान्वित बच्चों, प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत ऋण योजना, सक्षम योजना, नवा बिहान योजना, मिशन वात्सल्य- एकीकृत बाल सरंक्षण योजना, एकीकृत बाल सरंक्षण इकाई, बालक कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाएँ, दत्तक ग्रहण, पोषण देखरेख कार्यक्रम, प्रवर्तकता कार्यक्रम, बाल विवाह रोकथाम आदि महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की. इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग अंतर्गत रिक्त पदों पर निष्पक्ष और निर्विवाद भर्ती की जाये. उन्होंने कहा कि डेमोस्टेटर पद की भर्ती के लिए नियमानुसार विज्ञापन प्रकाशित करायें. जरूरतमंद महिला हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराये. आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को नाश्ता, गर्म भोजन, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को समय पर पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जावे. कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों का समय सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक है. उन्होंने निर्देश दिये कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में पूरे समय बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें, जिससे बच्चों की प्री नर्सरी शिक्षा उन्नत हो सके. बैठक में महिला बाल विकास विभाग अधिकारी रेणु प्रकाश, सुपरवाइज़र सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

इलेक्ट्रिक गाड़ी में धमाके के बाद घर में लगी आग

बिलासपुर(विश्व परिवार)। इलेक्ट्रिक गाड़ी में धमाके के बाद आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया है. मोहल्ले के लोगों की सतर्कता से परिवार की जान बच गई. महिला और बच्ची का चेहरा झुलस गई है. यह घटना सरकंडा के स्वर्णिम ऐरा कॉलोनी की देर रात की है. इलेक्ट्रिक व्हीकल से फैली आग घर तक पहुंचने से घर का सामान जलकर खाक हो गया. ई-व्हीकल के बाजू में खड़ी बाइक भी जल गई. परिवार वालों ने घर के पीछे के रास्ते से निकलकर अपनी जान बचाई है. मोहल्ले वालों ने पानी और रेत से आग पर किसी तरह काबू पाया. सरकंडा पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

विशेष बच्चों के लिए चला रहे रेस्क्यू एवं पुर्नवास अभियान

कोरबा(विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देश एवं कलेक्टर कोरबा के मार्गदर्शन पर जिले में स्ट्रीट चिल्ड्रन, बाल श्रमिक, अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृति में लिप्त बच्चों के रेस्क्यू एवं पुर्नवास हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश द्वारा इस अभियान की क्रियान्वयन की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस अभियान के तहत ऐसे बच्चे जो बिना किसी सहारे सड़को पर रहते है और रात में निकट के झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में रहने वाले अपने परिवारो के पास वापस आ जाते है। सडक जैसे परिस्थितियों में अपने परिवार के साथ रहते है, अपशिष्ट संग्राहक, भिक्षावृति में लगे मादक द्रव्य व्यसन से लिप्त ऐसे श्रेणी के बच्चे अपनी उत्तर जीविका भोजन, वस्त्र, आश्रय एवं संरक्षण हेतु प्रतिदिन विभिन्न प्रकार संघर्षो एवं चुनौतियो का सामना करते है। उन बच्चों का चिन्हांकन कर उनका संरक्षण प्रदान करने शिक्षा एवं अन्य जरूरी सुविधायें उपलब्ध कराने उनके परिवारो को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाते हुए उनके प्रशिक्षण एवं उनके रोजगार की व्यवस्था हेतु विभिन्न विभाग के समन्वय से कार्य योजना अनुसार 15 जुलाई से 14 अगस्त तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत सड़क में रहने, अपशिष्ट संग्राहक, बाल भिक्षावृति, भटके हुए बच्चों के चिन्हांकन हेतु रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। इस पर रेस्क्यू टीम द्वारा जिले में सतत रूप से निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि कोई भी ऐसे बच्चों की चिन्हांकन होने की दशा पर तत्काल उस पर बाल सक्षम नीति के प्रभावी क्रियान्वयन कर पुर्नवास की प्रक्रिया किया जावेगा। सड़क में रहने वाले बच्चो के रेस्क्यू हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाईन 1098 व जिले के अन्य सभी संबंधित विभागों से समन्वय कर के टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान का संचालन किया जा रहा है, इस दौरान चिन्हित बच्चों को बालक कल्याण समिति के माध्यम से पुनर्वास किया जावेगा। बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण हेतु प्रत्येक ग्रामों/वार्डो में बाल संरक्षण समिति गठित है।

सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने परिसीमन के नाम पर वार्डों की अनैतिक कांट-छांट : विनोद चंद्राकर

अनैतिक परिसीमन से तुमगांव के नागरिक होंगे परेशान

महासमुंद(विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए सत्ताधारी नेताओं के ईशारे पर तुमगांव नगर पंचायत के सभी वार्डों को परिसीमन के नाम पर अनैतिक रूप से कांट-छांट किया गया है। इसके चलते भविष्य में स्थानीय निवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जनता को होने वाली समस्याओं को दरकिनार कर स्वहित के लिए भाजपा नेताओं के ईशारे पर तुमगांव के सभी वार्ड की सीमाओं को कांट-छांट किया गया है। इससे तुमगांव के नागरिकों में आक्रोश नजर आ रहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि परिसीमन में नियम कानून का खुला दुरुपयोग किया गया है। भाजपा को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से परिसीमन किया गया है। 2011 सर्वे के अनुसार परिसीमन किया जाना था। इसके तहत नियमानुसार किसी वार्ड की जनसंख्या को औसत से 10 प्रतिशत तक ही कम या ज्यादा किया जा सकता है। परंतु, कई वार्डों में इसका स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। तुमगांव के कई वार्डों की सीमाओं को अप्रासंगिक तरीके से निर्धारित किया गया है। वार्ड नं. 6 तथा 4 का जनसंख्या कम था, जिसमें इन वार्डों से लगे अन्य वार्डों के लोगों को जोड़ना था। लेकिन, 1 से 15 तक के सभी वार्डों को परिसीमन के नाम पर तहस-नहस कर दिया गया। नपं तुमगांव के अधिकांश वार्डों में कांग्रेस समर्थित पार्षद ही जीतते आए हैं, यहां भाजपा को शुरू से पराजय का सामना करना पड़ता है। इन्हीं सब कारणों से सरकार द्वारा भाजपा को लाभ पहुंचाने वार्ड की सीमाओं को कांट-छांट किया जा रहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि परिसीमन के नाम पर जो कांट छांट किया गया है, उससे तुमगांव के आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। भाजपा के इस षड़यंत्र का जवाब तुमगांव के नागरिक आगामी नगरीय निकाय चुनाव में देगी।

दीपका एरिया में बीएमएस की सदस्य संख्या सबसे अधिक

कोरबा(विश्व परिवार)। लगभग 12 साल बाद भारतीय मजदूर संघ एस ई सी एल के दीपका में सबसे बड़ा श्रमिक संगठन बनकर उभरा है। संघ को 414 सदस्यों का समर्थन प्राप्त हुआ है। दूसरे स्थान पर हिंद मजदूर संघ रहा है, जिसे 408 श्रमिकों ने अपना समर्थन दिया है और सदस्यता के लिए शुल्क कटौती की इच्छा प्रकट की है। गौरतलब है कि कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी एसईसीएल में ट्रेड यूनियनों की सदस्यता के सत्यापन का कार्य चल रहा है। यह कार्य दीपका, गेवरा, कुसमुंडा और मानिकपुर में भी किया जा रहा है। दीपका परियोजना में श्रमिकों के सत्यापन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सबसे अधिक भारतीय मजदूर संघ को कोयला कामगारों का समर्थन प्राप्त हुआ है। बीएमएस की रिती-नीति से प्रभावित होकर 405 कोयला कामगारों ने अपनी सदस्यता प्रकट की है और वार्षिक शुल्क बीएमएस को देने पर सहमति जताई है। दूसरे स्थान पर हिंद मजदूर संघ है। जिसे 408 कोयला कामगारों का समर्थन मिला है। वहीं एटक को 214 कामगारों का समर्थन प्राप्त हुआ है। जबकि कांग्रेस समर्थित इंटक की रिती-नीति पर 171 श्रमिकों ने भरोसा जताया है।

एनटीपीसी कोरबा द्वारा मूल्य-मूलिक परिवार जीवन प्रबंधन पर प्रशिक्षण संचालित

कोरबा(विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने आज अपने कर्मचारी विकास केंद्र (श्रेष्ठ्ष्ट) के माध्यम से मूल्य-मूलिक परिवार जीवन प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन एम/एस. भार्गव मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स के साथ किया गया था, जिसमें विदेशी विशेषज्ञ श्री बी. गणेश भी शामिल थे। यह कार्यक्रम 20 जुलाई 2024 को एनटीपीसी कोरबा में हुआ। यह प्रशिक्षण सत्र मैत्री महिला समिति के सदस्यों और एनटीपीसी कोरबा के कर्मचारियों की पत्नियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था। कुल 17 प्रतिभागी इस कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिए, जिसका मुख्य ध्यान परिवारी रिश्तों को समर्थन देने और परिवारिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण कौशलों और अंतर्दृष्टियों को सिखाने पर था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, मैत्री महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती रोली खन्ना सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद थे। एनटीपीसी कोरबा के एक प्रतिनिधि ने इस पहल की महत्वपूर्णता पर टिप्पणी की, जिसने इसके कर्मचारियों और उनके परिवारों के व्यक्तिगत और परिवारिक कल्याण में सुधार करने में मदद की। इस सत्र में मौजूद योजना ने सम्मान, सकारात्मक संवाद, और परिवारी एकता को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों और सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया। एनटीपीसी कोरबा अपने कर्मचारियों के जीवन को समृद्ध बनाने और इस तरह की पहलों के माध्यम से उनके समूचे विकास में सकारात्मक योगदान देने के प्रति प्रतिबद्ध रहता है। इस प्रकार की पहल संगठन की व्यापक कर्मचारी और उनके परिवार के बीच स्वस्थ काम-जीवन संतुलन और सहायक परिवारिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए है।

एनटीपीसी कोरबा सफलतापूर्वक आयोजित किया अंतर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप

कोरबा(विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा ने आज इंटर-जिला जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप का समापन सफलतापूर्वक किया, जिसमें बस्तर ने बीजापुर को 5-0 से हराकर चैम्पियन बना। यह चार दिन की चैम्पियनशिप, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा, श्री राजीव खन्ना के आयोजन में आयोजित हुई, जिसमें रायपुर, बीजापुर, दुर्ग, और बस्तर जिलों की टीमों ने उत्साह से भाग लिया। टूर्नामेंट के दौरान, छत्तीसगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन की प्रशिक्षण और मूल्यांकन टीम ने खिलाड़ियों का ध्यान समर्पित रहते हुए उनमें से शीर्ष 30 खिलाड़ियों का चयन किया, जिनकी असाधारण प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इन चयनित खिलाड़ियों को अब कल से 21 दिनों की कोचिंग शिविर में भाग लेना होगा, जो उनके कौशलों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन में और अधिक सुधारेगा। एनटीपीसी कोरबा में आयोजित समापन समारोह में अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री शशि शेखर और खेल परिषद के अध्यक्ष श्री के.पी. चंद्रवंशी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उपस्थिति दी। संघ, संघों के सदस्य और प्रमुख सीएसआर सदस्य भी मौजूद थे, जिससे एनटीपीसी की क्षमता को स्पर्धा और युवा विकास को बढ़ावा देने में उनकी प्रतिबद्धता पुनः स्थापित हुई। यह चैम्पियनशिप न केवल इन युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा और जोश को प्रदर्शित करती है, बल्कि यह खेल के महत्व को भी स्पष्ट करती है, जो नेतृत्व और समूह कार्य को विकसित करने में मदद करता है, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी कोरबा, श्री राजीव खन्ना ने टिप्पणी की। छत्तीसगढ़ जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस घटना ने एनटीपीसी कोरबा के स्थायी प्रयासों का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रखा है, जो खेल की उत्कृष्टता और समुदाय संघर्ष में एक साझी पहल को दर्शाता है।

कलेक्टर अजीत की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई आयोजित

डायरिया, मलेरिया व मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार कर करें कार्य - कलेक्टर

स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने एवं प्रभावित क्षेत्रों में शिविर लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण करने हेतु किया निर्देशित

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने विभागीय कामकाज की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिले में डायरिया, मलेरिया मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित रखने, स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ाने एवं जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का समुचित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री संबित मिश्रा, निगमायुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई, सीएमएचओ डॉ एस एन केसरी, डीपीएम, समस्त बीएमओ, बीपीएम, नोडल अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बीएमओ सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी फील्ड में जाकर डायरिया, मलेरिया से बचाव हेतु आमजनों को करें जागरूक- कलेक्टर ने जिले में मानसून के दौरान डायरिया, मलेरिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु की गई तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित करते हुए कहा कि वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में डायरिया, मलेरिया और मौसमी बीमारियों का संक्रमण ना हो इसके लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार कर कार्य करें। साथ ही दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर मलेरिया, डायरिया सहित मौसमी बीमारियों के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अमले को सतर्क रहते हुए प्रभावित क्षेत्रों में शिविर लगाकर स्वास्थ्य परीक्षण करने एवं संक्रमित व्यक्तियों को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर उपचार करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने पहुँचविहीन क्षेत्रो में मितानिनो, सचिवों या यूथ वॉलिंटियर्स के माध्यम से क्षेत्र में मौसमी बीमारी के प्रकोप के संबंध में तत्काल जानकारी स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने पहुँचविहीन क्षेत्रो व मैदानी इलाकों में सभी सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में जिंक टेबलेट, ओआरएस सहित अन्य आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के लिए कहा। कलेक्टर ने बीएमओ सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारियो को फील्ड में जाकर शिविर का मॉनिटरिंग करने एवं डायरिया, मलेरिया से बचाव और सावधानी बरतने के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु निर्देशित किया।

संपादकीय

रेल की यात्रा डरावनी

एक बार फिर रेल हादसे ने देशभर में यात्रियों के लिए चिंता पैदा की है। उत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 15 बोगियां बेपटरी हो जाने की घटना में वैसे तो 3 यात्रियों की जान गई, मगर इसने रेलवे की व्यवस्था में व्याप्त कमियों और लापरवाहियों को जरूर जिंदा कर दिया है। हालांकि, हादसा मानवीय भूल की वजह से हुआ है या इसके पीछे कोई साजिश है-जैसा कि इंजन के ड्राइवर ने कहा कि हादसे के पहले जोर का विस्फोट हुआ था-यह तो जांच के बाद ही मालूम चल पाएगी, किंतु हाल के वर्षो में रेल की यात्रा थोड़ी डरावनी जरूर हो गई है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें 9 यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था और 40 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। देश में पहले भी रेल हादसे हुए हैं और कइयों की जान गई है, मगर हाल के वर्षो में दुर्घटना का स्वरूप बदल गया है। निःसंदेह मोदी सरकार के 10 वर्षो के दौरान रेलवे ने तरक्की की नई इबारत लिखी है, किंतु कई मामलों में अब भी रेल महकमे में सुधार की जरूरत है। खासकर संरक्षा और सुरक्षा के मसले पर सरकार को ज्यादा गंभीर और संवेदनशील होना पड़ेगा। स्वचालित सिगनलिंग प्रणाली भी सवालों के घेरे में है। इसके अलावा पायलट और लोको पायलटों को मिलने वाली सुविधा अपर्याप्त है। उन्हें आराम नहीं मिल पाता है और इंजन में भी उनके लिए सामान्य सुविधा तक की कमी दिखती है। इसी तरह संचालन प्रबंधन में कई तरह की खामियां और कमी के अलावा महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की कमी और कवच प्रणाली को लागू नहीं करने के फैसले से मुंह नहीं चुराया जा सकता है। वैसे भी जब ऐसे हादसे होते हैं तो इसका खामियाजा यात्रियों की जान जाने के अलावा रेलवे की संपत्ति को हुए नुकसान से भी जोड़कर देखने की जरूरत है। सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय रेल में संरक्षा श्रेणी के स्वीकृत कुल करीब 10 लाख पदों में से डेढ़ लाख से अधिक पद खाली हैं। हालांकि रेलवे ने पिछले 10 वर्षों में इस मामले में महत्त्वपूर्ण निवेश करने के साथ कई संरचनात्मक और प्रणालीगत सुधार भी किए हैं, जिनका सुरक्षित परिचालन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। फिलहाल तो जांच कमिटी की रिपोर्ट आने का इंतजार किया जाना चाहिए।

विशेष लेख

ओली के भगवान कार्ल मार्क्स

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कई बार कहा है कि ईश्वर का अस्तित्व नहीं है और अगर कभी कोई ईश्वर रहा है तो वो सिर्फ कार्ल मार्क्स थे। 2018 में प्रधानमंत्री बनते ही ओली ने वह सब कुछ किया जिसकी धार्मिक और सनातन परंपरा में विश्वास करने वाले इस देश में कल्पना भी नहीं की गई थी। ओली को अपनी कम्युनिस्ट पहचान मजबूत करने और चीन के साथ खड़े दिखने का इतना उतावलापन था कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते हुए ईश्वर का नाम लेने से इंकार कर दिया, यह बुद्ध और विष्णु की भूमि के लिए बेहद अप्रत्याशित घटना थी। इसके बाद भारत के प्रधानमंत्री जब नेपाल गए तो पीएम नरेन्द्र मोदी ने जनकपुर में पूजा की लेकिन ओली ने नहीं की। ओली यहीं नहीं रुके उन्होंने चीन के इशारे पर नेपाल का अपना नया नक्शा जारी कर भारतीय क्षेत्रों कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख को शामिल कर इन्हें अपने देश के इलाके बताया, राम जन्मभूमि को नेपाल में ही बताया और चीन के लिए अपने देश के दरवाजे खोल दिए। ओली ने सत्ता में रहते भारत और नेपाल के संबंधों को प्रभावित करने के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और सामरिक रूप से तथ्यों को उलट-पुलट कर भारत से सीमा विवाद को बढ़ाया और इसे राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़ दिया। चीन की यात्रा की और उन्होंने चीन के साथ ट्रेड एंड ट्रांसपोर्टेशन अग्रीमेंट यानी व्यापार एवं परिवहन समझौता कर लिया। ओली का यह कदम भारत को चुनौती देने वाला रहा और यहीं से भारत और नेपाल के कूटनीतिक रिश्ते भी प्रभावित हुए बिना न रह सके। ओली के भगवान का मार्क्?स चीन में भी पूजे जाते हैं। चीन ने नेपाल में अनेक परियोजनाएं आक्रामक ढंग से शुरू की हैं। तिब्बत से सीधी सड़क भारत के तराई क्षेत्रों तक बनाई, रेल मार्ग नेपाल की कुदारी सीमा तक बनाया, नेपाली कम्युनिस्ट और माओवादी गुटों को आर्थिक और सैनिक मदद से चीन का समर्थन और आम नेपालियों में उनके द्वारा भारत विरोधी भावनाएं भड़काने की साजिशें रची गई। ओली की चीन परस्त और भारत विरोधी नीतियों के कारण चीनी सामानों की नेपाल के रास्ते भारत में डम्पिंग, माओवादी हिंसा के जरिए नेपाल से आंध्र- तमिलनाडू तक रेड कॉरिडोर में भारत को उलझाएं रखना, पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नेपाल में लगातार गतिविधियां, तस्करी और आतंकवादियों का भारत में प्रवेश सुलभ हुआ है। कई शताब्दियों तक राजशाही को स्वीकार करने वाले इस देश में 2007 में अंतरिम संविधान बनने के बाद राजतंत्र को खत्म तो कर दिया गया था लेकिन वामपंथ के उभार से लोकतंत्र स्थापित करने के सपने चकनाचूर हो गए। कार्ल मार्क्?स की दो किताबों कम्युनिस्ट घोषणापत्र और दास कैपिटल ने दुनिया के कई देशों और करोड़ों लोगों पर राजनीतिक-आर्थिक रूप से निर्णयात्मक असर डाला है। कम्युनिस्ट घोषणापत्र में मार्क्?स ने पूंजीवादी समाज में वर्ग संघर्ष की बात की है और बताया है कि कैसे अंततः संघर्ष में सर्वहारा वर्ग पूरी दुनिया में बुर्जुआ वर्ग को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लेगा। मार्क्स ने धर्म को जनता के लिए अफीम के रूप में वर्णित किया है। कम्युनिज्म धर्म को नहीं मानता और बुद्ध के विचारों में सनातन धर्म की समानता निहित है। ओली नेपाल को चीन जैसा बना देना चाहते है। भारत के लिए मुश्किल यह है कि नेपाल के सांस्कृतिक इतिहास और परंपराओं में सनातन धर्म और बुद्ध की मान्यताओं के चलते उसकी भारत से निकटता खत्म नहीं होने दे। ओली के भगवान मार्क्?स, भारत के आंतरिक सुरक्षा के सबसे बड़े खतरे नक्सलियों के भी आदर्श पुरु ष हैं। भारत के मध्य, दक्षिणी और पूर्वी भागों को मिला कर बना रेड कॉरिडोर ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड में प्रमुख रूप से केंद्रित 11 राज्यों को कवर करता है। नेपाल से शुरू हुए इस गलियारे में नेपाल की भूमिका बड़ी महत्त्वपूर्ण है। नेपाल ने इस क्षेत्र के लड़ाकों के साथ हथियारों, रणनीतियों और प्रशिक्षण योजनाओं और कई अन्य सामरिक हथियारों का भी खूब आदान-प्रदान किया है। ओली माओवादी संगठन से जुड़े हैं, और हिंसा के चलते नेपाल की जेल में भी रह चुके हैं। चीन निर्मित हथियारों के जरिए नक्सली भारतीय सुरक्षा बलों को हमले करते हैं। नक्सली हिंसा का इतिहास लंबा है। भारत सरकार इसे खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाल और भारत करीब अठारह सौ पचास किमी. से अधिक लंबी सीमा साझा करते हैं, जिससे भारत के पांच राज्य सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जुड़े हैं। दोनों देशों की सीमाओं से यातायात पर कभी कोई विशेष प्रतिबंध नहीं रहा।

समाधिस्थ महायोगीराज गणाचार्य श्री विरागसागर जी को शत-शत नमन

न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन

संत संस्कृति के महानतम संत गणाचार्य पूज्य विराग सागर जी की समाधि का समाचार सुनकर आघात पहुँचना स्वाभाविक है। ऐसा लगा एक विराट युग पर विराम लग गया।

2. पूज्य गुरुदेव शांत, सरलता और वात्सल्य की जीवंत मूर्ति थे। आपने कभी भी, कहीं भी वरिष्ठता का प्रदर्शन नहीं किया और न ही विवाद को जन्म दिया। आपका जीवन खुली किताब रहा है, जिसमें आपके जीवन की प्रगति के आलेख का अध्ययन व दर्शन किया जा सकता है।

3. आप पूर्णतः सम्यकदृष्टि, रत्नत्रयसंपन्न, दूरदष्टा ,आत्मधर्म, व्यवहार धर्म के संरक्षक और संवर्द्धकरहे। आपने कभी भी समस्याओं को उलझाया नहीं, बल्कि कुशलतापूर्वक सुलझाया। हमेशा प्रत्यक्ष और परोक्ष में एकता रखी। स्वार्थ की दुर्गन्ध से रहित होकर स्वार्थत्याग की कठिन तपस्या की। परिषहजयी और उपसर्ग विजेता रहे अप्रिय अथवा प्रतिकूल घटनाओं में आपका साक्षी भाव ही रहा। आपके रग-रग में वसुधैवकुटुम्बकम् की भावना समाहित रही। आपके लिए कोई पराया नहीं था।

''न कोउ बैरी नाहिं बिगाना''

4. आचार्य श्री के श्रीमुख से हमेशा शांति और भाईचारे का संदेश ही प्रवाहित हुआ। संदेशों में ममता, समता, एकता, शुचिता, और मानवीय प्रेम की प्रधानता रही।

5. गुरुदेव उत्तम क्षमा से पृथ्वी के समान, निर्मल भावों से स्वच्छ जल के सदृश्य, कर्मरुपी ईंधन के जलाने से अग्नि स्वरूप, परिग्रह विहीन होने के कारण वायुस्वरूप, आकाश की तरह निर्लेप तथा सागर की तरह क्षोभ रहित रहे।

6. अल्प आयु में ही आपने अपने जीवन को मंदिर की भांति पावन, पोथी की तरह ज्ञान से परिपूर्ण व शास्त्रों की भांति अनुभव संपूर्ण बना लिया था। आपने यह सिद्ध कर दिया कि परम ज्ञान के लिए किसी डिग्री की आवश्यकता नहीं है।

7. गुरुदेव अपने यौवन से ही श्रमण महाव्रतों का पालन करते हुए, श्रावकों को दिव्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे है। आपने अपने व्यक्तित्व और सतत अध्ययन से देश के आचार्यो के समक्ष अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। आप साहित्यसर्जक ही नहीं, साहित्यसर्जकों के निर्माता स्थापित हुए।

8. गुरुदेव ने भारत वसुन्धरा पर यत्र-तत्र विहार कर जिन शासन की महती प्रभावना करते हुए समाज का जितना उपकार किया है उसे जैन या भारतीय इतिहास कभी भी विस्मृत नहीं कर पाएगा। आपने समाज के विकास के लिए सामाजिक चेतना को अत्यधिक प्रभावित किया और मानव सेवा के उच्चतममानदण्डस्थापित किए। आपने हम सभी को संस्कार दिए। हमें सिखायाकीसुकृत-सुकर्म ही धर्म है। आपकी वाणी से हमारे आत्मिक आध्यात्मिक पोषण की आवश्यकता पूरी होती थी। आपने अपनी चर्या, चिन्तन और मार्गदर्शन से समाज को उपकृत किया है। आपका जीवन ही हम सबके लिए उपदेश है।

9. गुरुदेव दीक्षा और संयम की दृष्टि से साधु संस्था में वरिष्ठतम रहे। आपका चतुर्विध संघ पूरे भारतवर्ष में शोभायमान रहा। गुरुदेव के अनेकोंशिष्य पूरे भारत में आचार्य, उपाध्याय, मुनि, आर्यिका जैसे पावन पदों पर प्रतिष्ठित होकर जैन धर्म के प्रचार-प्रसार में अनुपम योगदान कर रहे है।

शीतलता थी चांद सरीखी, तेज सूर्य सा चमका करता।
सागर सम गंभीर आप थे, वचन सुधा रस बरसा करता।।
श्रमण संघ है एक सरोवर, अगणित जिसमें कमल खिलें।
उपसर्ग जयी की धवल शिखर से, माणिकमुक्ता मणि मिले।।

10. आचार्य श्री की जन्म भूमि पथरिया जिला दमोह है। आपके जन्म से ही यह स्थान पावन, पवित्र, प्रसिद्ध हुआ। इसके अतिरिक्त आपकी अनुपम कृपा से आपके मार्गदर्शनएवंसान्निध्य में विरागोदय तीर्थ निर्मित हुआ। यह तीर्थ स्थानीय समाज ही नहीं, अपितुक्षेत्रीय समाज तथा सम्पूर्ण जैन समाज की अनेकानेकपीढ़ियों को आपके द्वारा प्रदत्त अनुपमआध्यात्मिक उपहार है।

11. विरागोदय तीर्थ का महामहोत्सव दिनांक 1 फरवरीसे 15 फरवरी, 2023 तक बहुत स्वच्छ, शालीन, धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। जिसमें 80 पंचकल्याणक, यति सम्मेलन, युग प्रतिक्रमण, महामस्तकाभिषेक, गजरथ आदि कार्यक्रम हुए। विशाल यति सम्मेलन यह दर्शाता है कि गुरुदेव ने विस्तृत संघ को सुमधुर वाणी, व्यवहार और दूरदृष्टि से बांधकर रखा है। सम्मेलनपूर्णतः अनुशासित, सौहार्दपूर्ण, सभी को आनन्द प्रदान करने वाला रहा। आपके सभी आज्ञानुवर्तीशिष्यगण आपका सान्निध्य और वात्सल्य पाकर धन्य और कृतज्ञ हुए।

12. आचार्य श्री के दर्शन करने का सर्वप्रथम सौभाग्य उस समय प्राप्त हुआ जब मैं सिविल जज बन चुकी थी। उसके बाद कुछ-कुछ अंतराल से आपके दर्शन और प्रवचनों का लाभ मिलता रहा। पथरिया में हुए पंचकल्याणकमहोत्सव के करीब 2 माह पूर्व हमारा पथरियाविरागोदय तीर्थ पहुँचना हुआ। गुरुदेव के बहुत ही सहजता से दर्शन कर कुछ चर्चा करने का समय भी मिला। हम सौभाग्यशाली है कि गुरुदेव ने बड़े ही वात्सल्य पूर्वक हम लोगों को पंचकल्याणकमहोत्सव में सम्मिलित होने को कहा। कुछ साहित्यअध्ययन हेतु प्रदान किया। साथ ही उनके द्वारा विरचित की गई लिपि में लिखित निर्वाणकाण्ड की प्रति देकर उसे पढ़ना भी सिखाया। इसकी अनुवाद कर्ता श्रमणीआर्यिकाविजीगीषा श्री माता जी है। गुरुदेव ने उक्त रचना में ग्यारहवें पद में रिशिंदगिरि (नैनागिरि) का उल्लेख किया है।

13. अस्वस्थता के कारण पंचकल्याणकमहोत्सव में जाना नहीं हो सका। मार्च, 2023 में गुरुदेव पथरिया में ही विराजित थे तब हम पहुँचे। कुछ समय पूर्व ही मेरे दोनों घुटनों का आपरेशन हुआ था। सबसे ऊपर वेदी पर पहुँचना मुश्किल था परन्तु गुरुदेव के उत्साहवर्धन से हम लोग कब शिखर पर पहुँचे मालूम ही नहीं पड़ा। गुरुदेव साथ में चल रहे थे। ऊपर पहुँच कर गुरुदेव ने अपने मुखारविन्द से शांतिधारा बोलकर श्री सुरेश जी एवं भाई विनोद मोदी के द्वारा शांतिधारासंपन्न कराई। हम सभी हर्ष विभोर हुए।

14. दिसंबर, 2023 में नैनागिरि में पंचकल्याणकमहोत्सव का आयोजन गुरुदेव के सान्धिय में सानंदसंपन्न हुए। आपने क्षेत्रीय समाज के बीच समन्वयस्थापित कर देशनास्थली पर विशाल तीन मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एवं नवनिर्मित षट्खण्डागमश्रुत मंदिर में श्रुतस्कंध विराजमान कराया। 10 दिन का निकट सान्निध्य और आशीर्वाद मेरे परिवार को मिला। बड़ी पुत्रवधु डॉ. वीनू जैन इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए लंदन से आई हुई थी। वह लंदनकेम्ब्रिजस्कूल में प्रोफेसर है। हम दोनों को गणाचार्य जी को आहार देने का सौभाग्यप्राप्त हुआ। नैनागिरि में संपन्न पंचकल्याणक में मुनि आदिसागर को आहार दान की विधि संपन्न कराते हुए मुनि श्री विनिश्चलसागर एवं आहार देते हुए डॉ. वीनू जैन, लंदन नवनिर्मित श्रुत मंदिर में विराजमान विशाल श्रुतस्कंध की पूजा करते हुए

15. 6 दिसंबर को महिला सम्मेलन में गुरुदेव का सान्निध्य पूरे समय मिलने पर महिला समाज आनंदित था। सम्मेलन में हमारी छोटी बेटी डॉ. विधि जैन मुख्यवक्ता थी। डॉ. वीनू जैन तथा अन्य विदुषी महिलाओं ने भी अपने विचार रखे थे। संचालन श्रीमती कामिनी जैन शाहगढ़ ने किया। हम सभी को आचार्य श्री का भरपूर आशीर्वाद मिला। गणाचार्य जी ने महिलाओं का समाज और परिवार के प्रति योगदान, क्षमता, विनम्रशीलता, धार्मिक प्रवृत्ति आदि को बहुत ही प्रभावशाली शब्दों में उद्बोधित किया था।

16. एक ऐसे महायशस्वी, महामानव, का असामयिक किन्तुउत्कृष्ट कोटि की समाधि से पूरा-पूरा जैन समुदाय स्तब्ध हो गया। मैंने समाधि के संबंध में पढ़ा, सुना और कुछ देखा भी है परन्तुपूज्यगणाचार्य जी की समाधि उत्कृष्ट, पूर्ण जागृतअवस्था, भरपूर धैर्य, संयम, क्षमाशीलता, विवेकशीलता से परिपूर्ण रही। यह इस युग की एक महत्वपूर्ण घटना है। अंत समय में भी किंचित मात्र विचलन आपको स्पर्श नहीं कर पाया। जब आपने संघस्थसुयोग्यशिष्यों को आचार्य पद पर आरोहित किया तब कुछ महानुभावों ने कटाक्ष भी किए परन्तु अब वे गुरुदेव की उत्कृष्टतम समाधि और उनके संघ की सुव्यवस्था को नतमस्तक होकर सराहना कर रहे हैं। आचार्य श्री ने स्वस्थ मनःस्थिति में समाज के समक्ष अपने पद का त्याग कर चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज को आगामी पट्टाचार्य घोषित कर प्रस्थान किया।

17. ऐसे महिमामयीमहायोगीराज के चरणों में बारंबार नमोस्तु करते हुए भावना रखती हूँ कि निकटतम समय में ही वह अपना अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करें। ओम् शांति।

'हत्या' शब्द विचित्रता और अज्ञान के नमूने

शंकर शरण

आरएसएस प्रशिक्षित नेताओं में विचित्रता तरह-तरह रूपों में दिखती है। बल्कि अधिकांश रूप में विचित्रता ही दिखती है! उन के बयानों, घोषणाओं, और कदमों, गतिविधियों से इस की लंबी सूची बनाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, विगत एक निश्चित अवधि में उन की पहली ऐसी घोषणा और नवीनतम कदम को लें।पहली थी गंभीर संवैधानिक पदों से घोषणा करना कि उन्हें %कांग्रेस मुक्त भारत' बनाना है। यह घोषणा संविधान-विरोधी, तथा करोड़ों देशवासियों के प्रति अपमानजनक थी। संविधान में दूर-दूर कोई संकेत तक नहीं कि किसी संवैधानिक पदधारी को किसी वैध राजनीतिक दल या सामाजिक संगठन को मिटा देने का प्रयत्न करना है। अतः वह घोषणा ही साफ संविधान-विरोधी थी। दूसरे, वह करोड़ों कांग्रेस-समर्थक देशवासियों का अपमान भी था जब उन के समर्थित दल? को मिटाने की घोषणा संवैधानिक पदधारी कर रहे थे! संवैधानिक पदधारी पूरे देश की संपूर्ण जनता के लिए है। उसे केवल अपने दल की हवा बांधने का काम संविधान ने नहीं दिया है। तब उन पदधारियों ने कहां से समझ लिया कि उन्हें करोड़ों नागरिकों की पसंद के एक राजनीतिक दल को मिटा देने का लक्ष्य रखना है? ऐसी सार्वजनिक घोषणा, ऐसा विचित्र डफ कर्म वही कर सकता है, जिसे संविधान, नैतिकता और शिष्टाचार की समझ नहीं है। यह समझ भी नहीं कि ऐसी अनावश्यक, दंभी घोषणा भविष्य में उलटे अपने मुंह पर गोबर पडने की संभावना अपने हाथों से बनाना है- यदि वह दल मिटने के बजाए बढ़ जाए (जो अभी-अभी हुआ)। सामान्य नेता ऐसी घोषणाएं नहीं करते। केवल संघ-प्रशिक्षित असामान्य वर्ग में ऐसे मूढ़मति पनपते हैं जो लज्जा की बात पर गर्व करते, और ताली पीटते हैं।वस्तुतः वह घोषणा अपने समर्थक मतदाताओं के प्रति भी अजूबा थी। जिन्होंने भाजपा को चाहे अन्य जिन चीजों के लिए भी मत दिया हो, उस में किसी दल को मिटा देने की बात नहीं थी। न उस चुनाव से पहले भाजपा के बयानों या घोषणापत्र में कहीं यह बात दर्ज थी, कि वे देश को %कांग्रेस मुक्त' करने का लक्ष्य रखते हैं। अतः निर्वाचित होकर संवैधानिक पद संभाल लेने के बाद एकाएक वैसी घोषणा भाजपा समर्थक मतदाताओं के लिए भी अप्रत्याशित थी। असंवैधानिक, अनावश्यक और फूहड़ तो थी ही।अब उन की नवीनतम करनी को लीजिए। उसी कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए उन्होंने एक %हत्या' दिवस ही देश पर थोपा है! यह मूढ़ता की पराकाष्ठा है। सब से पहले तो मानव निर्मित कामकाजी नियमों की एक संहिता, जिसे वैधानिक रूप से रोज संशोधित किया, बल्कि आमूल बदला हटाया जा सकता है, उसे किसी जीवित मनुष्य सा मानकर %रक्षा' और %हत्या' जैसी शब्दावली उत्तेजक और बचकानी है।क्योंकि यदि संविधान की %हत्या' नामकरण उचित माना जाए, तब तो संविधान का हर संशोधन भी %अंग-भंग' जैसा अपराध बनता है! जो अपराध खुद संघ-भाजपा के नेता गत वर्षों में सात बार कर चुके हैं। यानी, उन की रक्षा/हत्या शब्दावली में कहें तो, उन्होंने कभी संविधान की कोई ऊंगली काट दी, कभी उस के केश नोच लिए, कभी आंख में लकड़ी डाली, तो कभी घुटना घायल कर दिया। आखिर, यदि संविधान की %हत्या' हो सकती है, तो उस की चमड़ी उधेड़ी जा सकती है, उस के कान काटे जा सकते हैं, उसे लंगड़ा बनाया जा सकता है, आदि। अतः संविधान जैसी कागजी निर्जीव वस्तु के लिए %हत्या' शब्द ही अनुचित है।दूसरे, ऐसे नाम का औपचारिक अनुष्ठान सब पर थोपना बच्चों-किशोरों-युवाओं की नई पीढ़ी की संवेदनाओं पर आघात है, जिसे %हत्या' जैसी उत्तेजक चीज मनाने, दुहराने के लिए मजबूर किया जा रहा है। वह भी किस लिए? ताकि एक दल द्वारा प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल को निरंतर बदनाम करने का क्षुद्र उद्देश्य प्राप्त हो सके। ऐसे निम्न कोटि के दलगत स्वार्थ साधने में कोई राष्ट्रीय हित नहीं है। बल्कि कच्चे दिमाग दलीय कार्यकर्ताओं में आवेश, उग्रता बढ़ाकर उलटे देश समाज की हानि करना है।तीसरे, यदि यह %हत्या' पचास साल पहले हुई थी, तो संघ-भाजपा नेताओं को यह हत्या दिवस मनाने का विचार अब तक क्यों नहीं आया? मानो, अपने घर में कोई हत्या होने और उस की जानकारी रहने के बावजूद, कोई मजबूत सामंत उस की एफआईआर पचास साल बाद दर्ज कराए! ऐसी करनी स्वतः संदिग्ध हो जाती है। सो, गत पांच दशकों में न तो दल या संगठन के रूप में, न जब-जब वे सत्तासीन हुए, तब सत्ततंत्र द्वारा भी संघ-भाजपा महाप्रभुओं ने पहले कभी संविधान %हत्या' दिवस क्यों नहीं थोपा? इस का उत्तर यही है कि न तो कोई संविधान हत्या हुई थी, न पचास साल पहले की उस घटना के प्रति देश की जनता में कोई स्थायी नाराजगी थी। (बल्कि तात्कालिक नाराजगी भी संपूर्ण देश में नहीं थी। तमिलनाडु, आंध्र, असम, आदि कई राज्यों में 1975-77 के आपातकाल के समय और तत्काल बाद भी कांग्रेस का समर्थन पहले से बढ़ा या यथावत था।) इस का सब से बड़ा प्रमाण यह कि आपातकाल के पांच वर्ष ही बाद, 1980 में, जनता ने भारी बहुमत से उसी कांग्रेस को पुनः केंद्रीय सत्ता में प्रतिष्ठित कर दिया। बाद में भी, लंबे-लंबे समय कांग्रेस सत्ता जन-समर्थन से बनती रही है।तब, आज पचास साल बाद, उस प्रसंग को उत्तेजक नाम देकर देश पर थोपने की कोशिश संघ-भाजपा नेताओं की मूढ़ता ही दिखाती है। जिन्हें समझ नहीं कि ऐसी संकीर्ण पार्टी-बंदी व दलीय-स्वार्थ पूरे देश? पर जबरन थोपने की कोशिश संभवतः उल्टी प्रतिक्रिया जगाएगी। कांग्रेस के प्रति लोगों में सहानुभूति तथा भाजपा के प्रति वितृष्णा बढ़ाएगी, क्योंकि ऐसे अनुचित, क्षुद्र कदमों की वास्तविक मंशा किसी को भी शीशे की तरह साफ दिखती है।चौथे, इस बेचारे निर्जीव संविधान को किसी अमर देवता जैसा दिखाने की कोशिश भी मूढ़ता है। इसलिए भी, क्योंकि इस के कथित जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान बनने-लागू होने के तीन ही वर्ष बाद इसे किसी काम का नहीं बता कर इसे जला देने के लिए आगे बढने वाला मैं पहला व्यक्ति होऊंगा कहा था। वह भी संसद में, दो बार, लंबे अंतराल के साथ, ठसक से कहा था। डॉ. अम्बेडकर ने इस संविधान को जला कर नष्ट कर देना चाहने की बात दो सितंबर 1953 और 19 मार्च 1955, दोनों बार संसद में ही कही थी। वह भी कारण बताकर। इस से उन की गंभीरता झलकती है। यानी, वह कोई क्षणिक आवेश में कही गई हलकी बात नहीं थी।उसी बयान में डॉ. अम्बेडकर ने इस संविधान को बनाने की अपनी जिम्मेदारी से भी इनकार किया था। उन्होंने दो सितंबर 1953 को संसद में अपने वक्तव्य में कहा था कि उन्हें इस संविधान का निर्माता कहना गलत है। क्योंकि वे इस में लिखी बहुतेरी बातों के विरुद्ध थे।

राजिम दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कलश की हुई स्थापना

नयापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के हृदय स्थल सदर रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ जिनालय में आचार्य विरागसागर, आचार्य विशुद्धसागर महाराज, आचार्य विभव सागर महाराज जी की शिष्या स्वाध्याय श्री माताजी एवं चर्या श्री माताजी का चातुर्मास कलश की स्थापना भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुई।

मंदिर जी से माताजी के सानिध्य में समाज के लोगों के द्वारा भव्य कलश यात्रा जैन भवन तक पहुंची। वहां पर सर्वप्रथम ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन सुनील कुमार अनुभव आदित्य जैन परिवार के द्वारा किया गया तत्पश्चात मंडप उद्घाटन का कार्यक्रम हुआ। मंडप उद्घाटन बुढार से पधारे अतिथियों के द्वारा संपन्न किया गया।

रायपुर से पधारे श्री राजेश रज्जन जैन ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सर्वप्रथम मंगलाचरण कराया। पाठशाला के बच्चों के द्वारा मंगलाचरण के साथ मोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पाठशाला के छोटे छोटे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंगलाचरण के पश्चात दीप प्रज्वलन दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष किशोर सिंघई, संरक्षक रमेश पहाड़िया, उपाध्यक्ष सुरित जैन, सचिव अखिलेश जैन एवं चातुर्मास कमेटी के संरक्षक सतीश जैन, अध्यक्ष अजीत चौधरी, उपाध्यक्ष अमर जैन, सचिव अंबर सिंघई, कोषाध्यक्ष रविंद्र सिंघई, सह सचिव सजय पाटनी, सांस्कृतिक सचिव अनुभव जैन के द्वारा किया गया। चित्र अनावरण बुढार भाटापारा रायपुर से आए अतिथियों के द्वारा किया गया।चर्या श्री माताजी के द्वारा चातुर्मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सावन सुदी पूर्णिमा से कार्तिक बदी अमावस्या तक चातुर्मास का काल रहता है। इस काल में वर्षा ऋतु मे अनंत जीवों की उत्पत्ति हो जाती है जिससे बिहार करने में उन जीवों की विराधना होती है अत: जैन धर्म एवं अन्य अहिंसक समाज के साधु संत भी चार महीना एक जगह रुक कर धर्म की प्रभावना करते हैं। माताजी ने बताया कि चातुर्मास केवल हमारा हो रहा है ऐसा नही है बल्कि आप सभी का भी चातुर्मास हो रहा है। चातुर्मास मास में व्यापार व्यवसाय एवं अन्य कार्यों से निवृत होकर धर्म की साधना करना चाहिए। माताजी से चतुर्मास हेतु निवेदन करने के लिए पंचायत कमेटी के सदस्य, चातुर्मास कमेटी के सदस्य, महिला मंडल की सदस्य, ज्ञान ज्योति बहू मंडल की सदस्य विद्यार्थी बालिका मंडल के सदस्य एवं महावीर दिगम्बर जैन पाठशाला के शिक्षक एवं बच्चों के सहित समाज के सभी लोगों ने माता जी से नगर में चातुर्मास हेतु निवेदन किया। माताजी ने सभी के निवेदन को स्वीकार करते हुए चातुर्मास कलस की स्थापना नयापारा राजीम नगर में करने की सहमति प्रदान की। इन चार महीनों में चातुर्मास करने हेतु सभी साधु संत एक जगह रुक कर वहां की समाज को धर्म लाभ करा ज्ञान की वृद्धि करते है।इसके लिए इन चार महीना के लिए चातुर्मास कलश की स्थापना की जाती है। कलश को चार माह तक मंदिर की में या संत निवास में रखकर साधु संतों के द्वारा अभिमंत्रित किया जाता है। यह रिद्धि सिद्धि कलश बाद में श्रावक को प्रदान किया जाता है। प्रथम कलश अरिहंत कलश प्राप्त करने का सौभाग्य श्रीमती ममता चौधरी, मातेश्वरी आशीष सुप्रिया चौधरी आगम चौधरी शुत चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ द्वितीय कलश रिद्धि सिद्धि कलश श्री मनोज कुमार अनिल कुमार जयकुमार जैन परिवार को आचार्य कलश श्री संजय राजू नीलू जैन परिवार को एवं चतुर्थ कलश श्रीमती ममता जैन सुरित समीर निकिता रिद्धि सिद्दी जैन को एवं अंतिम कलश वाचना कलश मीना गदिया भाटापारा अंकित गदिया को सौभाग्य मिला। स्वाध्याय श्री माताजी को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य श्री दिनेश जी अरिहंत जी परिवार को एवं चर्या श्री माताजी को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य राजकुमार प्रतिभा पियूष पंकज जैन परिवार को प्राप्त हुआ था माता जी को शास्त्र भेंट करने का अवसर ज्ञान ज्योति बहु मंडल एवं विद्याश्री बालिका मंडल को प्राप्त हुआ। माता जी के द्वारा प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से प्रवचन होगा, एवं भक्तांबर का शिविर की क्रियाएँ आदि कराया जाएगा रात्रि 6:30 बजे से आरती भक्ति के साथ भक्तांबर दीप प्रज्वलन 108 मंत्रो से अभिमन्त्रित किया जाएगा। भक्तांबर जी के 48 काव्यों के 48 कलश 48 दिनों मे स्थापित किए जाएंगे। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष किशोर सिंघई ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समय पर सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहने हेतु निवेदन किया।

सनातन धर्म एवं दिगम्बर दर्शानुसार समस्त साधु चार माह एक स्थान पर स्थिर होकर आत्म आराधनारत रहते हैं : मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज

जबलपुर (विश्व परिवार)। सनातन धर्म एवं दिगम्बर दर्शानुसार समस्त साधु, संत, मुनि एवं आर्यिका मां चार माह एक स्थान पर स्थिर होकर आत्म आराधनारत रहते है, वे जिस भी स्थान का चयन करते है वहां पर उनकी धर्म आराधना व साधना के निर्दोषता पूर्वक, निर्बाध संचालन के लिए भक्त/ श्रावकगण संकल्पित रहते है, इसे ही चातुर्मास स्थापना कहा जाता है। श्रमणोपाध्याय रत्न 108 मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज, 108 मुनि विशोम्य सागर, मुनि श्री विनिशोध सागर एवं दो आर्यिका माता जी द्वारा गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर, जिन शासन की स्थापना दिवस पर नन्हे मन्दिर ट्रस्ट, बरिया मन्दिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा श्री 108 विरंजनसागर चातुर्मास कमेटी अंतर्गत चातुर्मास स्थापना महोत्सव सानन्द सम्पन्न किया गया।

कलश स्थापना : जैन दर्शनानुसार संकल्पित होने पर कलश स्थापना करने की परंपरा है जो कि चार माह मन्दिर जी में स्थापित रहते है, ततपश्चात वे श्रावक परिवार द्वारा अपने निवास के पवित्र स्थान पर सदैव के लिए स्थापित कर दिए जाते है।

इस पुनीत अवसर पर स्थापित कलश सर्वाधसिद्धि प्रथम कलश श्री रतनचंद कांता जैन, अरविंद अमित जैन चाँवल वाला परिवार, द्वितीय अरिहंत कलश श्री कमल उषा रानी अरविन्द, शैलेन्द्र बलखण्डी परिवार, तृतीय सिध्द कलश श्री सुनील डॉ.निधि अविरल जैन तारबाबू परिवार, आचार्य कलश श्री सुनील शशांक गढावाल परिवार, उपाध्याय कलश सुनील सिंघई अध्यक्ष बरियाबाला ट्रस्ट, सर्व साधु कलश श्री आनंद अनुराग उजियामूरी परिवार, आचार्य विद्यासागर कलश श्री सुमेरचंद रत्नमाला, रिन्कू, टिंकू जैन विशुद्ध सागर कलश श्रीमती शीलरानी राजकुमार, सनत विकाश जैन बंटी महाराजा परिवार, आचार्य समयसागर कलश युवराज समीर गढावाल परिवार, आचार्य विमल सागर कलश शैलेन्द्र कुमार विजय नगर द्वारा।

इसके पूर्व मंडप उद्घाटन श्रीमती सरोज नायक हमलोग मेंस एवं प्रथम पाद प्रक्षालन श्री शीलचंद्र मनोज कुमार द्वारा किया गया। इस पुण्यशाली अवसर के साक्षी बने, दिगम्बर जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, सहित ड्योडिया मन्दिर, चौधरी मन्दिर, तारन तरण मन्दिर जी एवं स्थानीय सकल जैन समाज के सँयुक्त तत्त्वाधान में आज हनुमानताल रोड़ स्थित नमर्दा नर्सरी के समक्ष परिसर में भव्य कलश स्थापना एवं गुरुपूजन महोत्सव विशाल आयोजन सुबह 8.30 बजे से सम्पन्न किया, इस अवसर पर दीप प्रज्जवलन एवं श्री फल अर्पण, विधायक अभिलाष पांडे, माहेश्वरी समाज से नवनीत माहेश्वरी, रैकवार समाज से कविता रैकवार, सराफ समाज से रज्जू सराफ, पंसारी समाज से चिंटू पंसारी, जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश चन्द्र, प्रधान मंत्री अनिल गुड्डा, नवयुवक सभा के मुरली बासल, समाजसेवी सत्यम जैन, समरसता समिति से संदीप जैन गुड्डा, सोशल ग्रु नगर से मनोज जैन, राविज जैन, सुरेन्द्र जैन, ईएमएस से सनत जैन भोपाल, CA राजेश जैन, सुरेन्द्र पहलवान सहित नगर स्थित मंदिरों श्री पिसनहारी तीर्थ, गरुकुल, प्रशासकीय प्रशिसंस्थान, शक्ति नगर जैन मंदिर, बाजनामठ जैन मंदिर, संजीवनी नगर जैन मंदिर, गढ़ा जैन मंदिर, पुरवा जैन मंदिर, आमनपुर जैन मंदिर, शास्त्रीनगर जैन मंदिर, अधारताल जैन मंदिर, कंचन बिहार जैन मंदिर के प्रतिनिधि की उपस्थिति में दिल्ली, शाहगढ़, सागर, बंडा, रहली हटा, इंदौर से पधारे सैकड़ों भक्तों द्वारा मुनि श्री का पाद प्रक्षालन एवं श्री फल अर्पण किया, ततपश्चात आगत अतिथियों का चातुर्मास कमेटी द्वारा श्री फल, तिलक व स्मृति चिन्ह देकर अथिति सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अपनी मंगल देशना में उपाध्याय 108 श्री विरंजन सागर जी महाराज द्वारा समस्त उपस्थित श्रावको को आशीर्वाद देते हुए आव्हान किया कि आगामी चार माह आप सब धर्म की इस बहती गंगा में अपने बुरे कर्मो का शमन कर उनसे मुक्त हो सकते हैं।

इस अवसर पर नन्हे मन्दिर की नवकार महिला मंडल एवं बालिका मंडल की बहू-बेटियों की सुपरसिद्ध जैन धार्मिक कथाओं पर आधारित सती मैना सुंदरी, एवं राजस्थान के प्रसिद्ध तीर्थ महावीर जी सहित अनेको कथानक पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मनमोह लिया एवं प्रशंसा प्राप्त की।

संक्षिप्त समाचार

बुंदेलखण्ड की कुर्बानियों ने भारतीय आजादी में नीव शिला का कार्य किया

भोपाल (विश्व परिवार)। भारतीय आजादी की प्रथम क्रान्ति के शहीदों को स्मराणॉजलि समर्पित करने के लिये, क्रान्तिवीर चन्द्रषेखर आजाद-पुण्य.पर्व की पूर्व संध्या पर, अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद के तत्वावधान में नियत तिथि 22 जुलाई सोमवार को अमर शहीद मर्दनसिंह राजा बानपुर के बलिदान दिवस पर, प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी शहीद दिवस का वृहद आयोजन मध्यान्ह में सम्पन्न हुआ। परिषद मुख्यालय 75।चित्रगुप्त नगर, कोटरा भवन मे, इतिहासकार, साहित्यकार और कवियों ने संगोष्ठी में भागीदारी की।महाराज मर्दनसिंह के इतिहास पर प्रमुख गंथ लेखक डॉ. कैलाष मड़बैया ने अपने शोध आलेख द्वारा प्रतिपादित किया कि 1857 कें संग्राम में रणबाँकुरे मर्दनसिंह की शहादत ने भारतीय आजादी के लिये नीव षिला का कार्य किया। अगर मर्दनसिंह साथ नहीं देते तो कदाचित वीरांगना लक्ष्मीबाई अपनी पूरी षिद्दत से नहीं लड़ पातीं। श्री प्रमोद सक्सेना व राजीव दुबे ने अपने रचना पाठ द्वारा श्रद्धाँजलि समर्पित की। अनिता सिंह ने लक्ष्मीबाई को स्मरण किया। एम.. जैन, राहुल, सुनील उइके आदि आदि ने अपनी रचनाओं से सक्रिय भागीदारी की। -**राहुल मिश्र**

रायपुर नगर निगम ने अभियान चलाकर निगम क्षेत्र में 73 आवारा मवेशियों को सड़को से पकड़कर गौठान भेजा

रायपुर (विश्व परिवार)। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा निर्देश अनुरूप रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के सभी 10 जोनो द्वारा सड़क मार्गों में काउकेचर एवं विशेष टीम के श्रमवीरो की सहायता से आवारा मवेशियों की धरपकड़ करने अभियान सतत निरंतर जारी है। अभियान के तहत आज जोन 1 की टीम द्वारा 12, जोन 4 ने 8 जोन 6 की टीम ने 3 आवारा मवेशियों की धरपकड़ कर उन्हें गोकुल नगर गौठान में छोडा। जोन 7 ने 3. जोन 8 ने 6, जोन 9 ने 24 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की। जोन 10 से 17 आवारा मवेशियों की धरपकड़ काउकेचर वाहन एवं विशेष टीम की श्रमवीरों की सहयोग से करते हुए उन्हें गोकुल नगर गौठान छोड़ा। आज अभियान के तहत जोनों की काऊकैचर टीमों ने कुल 73 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की सआवारा मवेशियों की धरपकड़ का अभियान सतत निरंतर जारी रहेगा।

अक्षर का ज्ञान आपको विद्वान बनाता है लेकिन अवसर का ज्ञान आपको महान बना देता है : श्री विरागमुनि जी महाराज

आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024

रायपुर (विश्व परिवार)। दादाबाड़ी में आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 के तीसरे दिन दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनि जी ने कहा कि आज हमें जो यह मनुष्य जीवन मिला वह अनंत पुण्यों के बाद हमें प्राप्त हुआ है, इसके लिए देव भी तरसते हैं लेकिन हमने क्या किया इस दुर्लभ जीवन को सांसारिक पदार्थों को इकट्ठा करने में लगा दिया। अगर यही पुरुषार्थ हमने धर्म के प्रति किया होता तो आज हम मोक्ष के कितने करीब होते यह आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। अगर केवल पैसों से सुख मिल जाता तो आज बड़े-बड़े उद्योगपति, नेता-मंत्री टेंशन फ्री जीवन जीते लेकिन ऐसा नहीं हो सकता। लोग जितने बड़े पद पर पहुंचते हैं उनकी टेंशन भी उतनी ही बढ़ जाती है जबकि उनके पास धन बल की कोई कमी नहीं होती फिर भी उन्हें यह टेंशन रहता है कि कोई कंपीटीटर हमसे आगे ना बढ़ जाए, हमारी स्टेटस पर कोई फर्क ना पड़े और हमारा पोर्टफोलियो खराब ना हो जाए।

उन्होंने आगे कहा कि आज विश्व में जैन समाज तार्किकता और वैज्ञानिकता से परिपूर्ण है, जिसके नियम आज सभी पर लागू होते हैं। कोई नियम ऐसा नहीं है जो किसी व्यक्ति पर किसी प्रकार का दुष्प्रभाव डालें यानी कोई भी व्यक्ति जैन समाज के नियमों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। जिस दिन आपने जैन समाज के लॉजिक को समझ लिया उसे दिन से आपके पापों का क्षय होना शुरू हो जाएगा। आज जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं पाप का दायरा भी बढ़ रहा है और उनकी संख्या भी बढ़ती जा रही है। उम्र के साथ इच्छाएं भी बढ़ रही है और पुण्य तो बढ़ ही रहा है लेकिन उसकी तुलना में पाप भी तेजी से बढ़ रहा है। अक्षर का ज्ञान आपको विद्वान बनता है और अवसर का ज्ञान आपको महान बनाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे अवसरों की खोज में हमेशा रहना चाहिए जो आपका कल्याण कर सके। ऐसे कल्याण मित्र बनाएं जो आपका जीवन सवार दे। वैसे ही मनुष्य के जीवन में तीन शत्रु आपको खत्म करने के लिए बैठे हुए हैं। जिसमें पहले है वृद्धावस्था, दूसरा है रोग और तीसरा है मृत्यु। हम कोई भी काम शुरू करने के लिए इस समय बाद या उसे कार्यक्रम के बाद ऐसा कर तारीख तय करते रहते हैं और इस चक्कर में हम उसे महत्वपूर्ण समय को भी गंवा देते हैं जिस पल हमें समय का सदुपयोग कर लेना चाहिए था।

उन्होंने आगे कहा कि आज आध्यात्म पर आपका ध्यान नहीं है इसलिए आपको बाहर की दुनिया अच्छी लग रही है लेकिन जिस दिन आपके अंदर आध्यात्म जाग जाएगा उसे दिन दुनिया से आपका मोह भंग होने लगेगा। आज तो प्रवचन सुनने भी सब अलग-अलग समय पर आते हैं और समय देखकर तुरंत निकल भी जाते हैं। जैसे ही प्रवचन का समय खत्म होता है वैसे ही पंडाल खाली होने लगता है। किसी भी धर्म स्थल में लोगों को जुटने में बहुत समय लगता है लेकिन केवल कुछ मिनट के अंदर ही पूरा पंडाल खाली हो जाता है। आज अनुकूल परिस्थितियों में भी लोग परेशान हैं, जबकि आज से तीन-चार सौ साल पहले जो राजा महाराजा थे उनके पास भी इतनी सुख सुविधा नहीं थी जितनी कि आज आपके पास है। हम अपनी कमजोरी को आज पहचान नहीं पा रहे हैं लेकिन जिस दिन हम इसे पहचानेंगे उसे दिन हमारे जीवन का कल्याण हो जाएगा, आप अपने मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाने लगोगे और उस दिन हमें दुनिया की कोई भी परिस्थिति दुखी नहीं कर पाएगी।

आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के प्रचार प्रसार संयोजक तरुण कोचर और नीलेश गोलछा ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूजा का लाभ संपतलाल, नरेश कुमार, बबीता बुरड़ परिवार रायपुर को प्राप्त हुआ। साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा कि दादाबाड़ी में सुबह 8.45 से 9.45 बजे मुनिश्री का प्रवचन होगा। आप सभी से निवेदन है कि जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

परिस्थिति नहीं अपनी मन:स्थिति बदलिये, स्थिति अपने आप बदल जायेगी : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। सुनना धर्म नहीं गुनना धर्म है, दृष्टि के परिवर्तन से ही जीवन में परिवर्तन आता है, परिस्थिति नहीं अपनी मनस्थिति बदलिये स्थिति अपने आप बदल जाऐगी।उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने चातुर्मास स्थापना कलश की स्थापना के उपरांत वीर शासन जयंती के दिवस प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने चार बातों की ओर लोगों को आकृषित करते हुये कहा कि धर्म और संयम का पहला मार्ग है कि हम अपने आपको कंटरोल करें, कोई मुझसे कितना भी अपशव्द कहेगा में उसका प्रतिकार नहीं करुंगा मुनि श्री ने कहा कि जो लोग छोटी छोटी चीजों सेऔर छोटी छोटी बातों से प्रभावित हो जाते है, उनका स्वं पर नियंत्रण नहीं रहता यदि वह अपने ऊपर स्वं कंटरोल करें तो उनके जीवन व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है। जैसे जब कभी गुस्सा आ रहा हो तो अपने आप पर नियंत्रण रखते हुये बार बार अपने मन को नियंत्रित करें और गुनगुनाऐं मुझे शांत रहना है मुनि श्री ने कहा की आप लोग तो व्यापारी हो और जब कभी ग्राहक पूरी महनत कराने के उपरांत माल नहीं खरीदता है तो आप क्या गुस्सा करते हो? नहीं महाराज यदि हम गुस्सा करेंगे तो हमारी दुकान कंहा से चलेगी जब आप अपनी दुकान चलाने के लिये सकारात्मक रुख अपना सकते हो तो क्या जीवन व्यवहार में सामान्य स्थिति बनाये रखने के लिये अपने मन पर नियंत्रण नहीं रख सकते ?आंफिस में अपने बांस की बात को तो चुपचाप सुनते है उनसे जबान नहीं लड़ाते तथा सहज बने रहते हो यह विवेक आपके पास कंहा से आया? जीवन व्यवहार की कला बताते हुये मुनि श्री ने कहा कि जिन परिस्थितियों से आप प्रभावित हो जाते है उन निमित्तों से अपने आपको दूर रखिये। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है अपने क्रोध पर कंटरोल रखना मुनि श्री ने कहा कि कैसी भी परिस्थिती आ जाऐ अपनी मन:स्थिति को अपने कंटरोल में रखिये दूसरों की बातों में न आइये। तथा चुगली करने और कराने बालो से सावधान रहकर अपनी बासनाओं पर नियंत्रण रखें! जो व्यक्ति अपनी वासनाओं पर नियंतण नहीं रख पाता हे वह एक बार जो दिल में उतरा था बो दिल से ही उतर जाता है। यह चौमासे में आप लोगों को बाहरी साधना का ध्यान तो दो लेकिन साथ साथ भीतरी साधना की ओर ध्यान दिया तो देखना भटकते हुये मन को राह मिल जाऐगी। और अपने आप पर नियंत्रण हो जाऐगा और आप सम्यकत्व की दिशा में आगे बड़कर जीवन को परिवर्तन कर सकेंगे। कार्यक्रम को प्रतिदिन अशोक भैया लिधोरा अभय भैया आदित्य तथा अनिल भैया उदासीन आश्रम संचालित कर रहे है।

उपरोक्त जानकारी देते हुये दयोदय महासघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रतिदिन सुवह 7:15 से अभिषेक एवं शांतिधारा तत्पशचात 8-25 से मुनि श्री के प्रवचन 9-45 से आहार चर्या तथा सांयकाल 6 बजे से आचार्य भक्ति एवं 6-15 से विश्व प्रसिद्ध शंकासमाधान का लाईव कार्यक्रम संपन्न होता है। -**अविनाश जैन**

अशोक विहार श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश

अरिहंत प्रभु ही वास्तविक गुरु हैं : आचार्य अतिवीर मुनि जी

दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी दिल्ली की धर्मनगरी अशोक विहार फेज़-1 स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में दिनांक 21 जुलाई 2024 को मंगल चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री का ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पिछले कई वर्षों के सतत प्रयासों के बाद आचार्य श्री के अशोक विहार क्षेत्र में चातुर्मास स्थापना होने से समस्त क्षेत्र में अत्यंत हर्ष व उमंग का माहौल बना हुआ है।

आचार्य श्री का विशाल शोभायात्रा के साथ श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, अशोक विहार फेज़-2 से मंगल विहार प्रारंभ हुआ तो गुरुभक्तों ने जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, नफीरी-ताशा, नासिक ढ़ोल, भजन मंडली, जैन ध्वज, महिला, पुरुष आदि अपार जनसमूह साथ-साथ चल रहे थे। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण का केंद्र आचार्य श्री के जीवन पर आधारित नीरज से अतिवीर की तर्ज पर बनी पांच झांकियां रही। मार्ग में जगह जगह आकर्षक रंगोली बनाकर आचार्य श्री का भावभीना स्वागत किया गया व समाजजन ने अपने-अपने घरों के बाहर पाद प्रक्षालन व मंगल आरती कर पूज्य आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्साह व हर्ष से भरपूर भक्तों के साथ महिलाओं ने डांडिया नृत्य करते हुए पूज्य आचार्य श्री का चातुर्मास स्थल पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास एक ऐसा प्रसंग है जब समाज को संत का सान्निध्य इतने लंबे समय तक प्राप्त होता है। समस्त समाज को इस अमूल्य समय का सदुपयोग करना चाहिए। आचार्य श्री ने आगे कहा कि अरिहंत प्रभु ही हमारे वास्तविक गुरु हैं, साधु तो मात्र परंपरा से गुरु हैं। हम सभी को कल्याण का मार्ग बताने वाले अरिहंत प्रभु ही हैं, उन्होंने ही इस मार्ग का साक्षात्कार किया है। साधु भी उनके बताए मार्ग का ही अनुसरण कर रहे हैं परंतु अभी प्राप्त नहीं किया है। दिल्ली व निकटवर्ती स्थानों से पधारे समाजश्रेष्ठी तथा गुरुभक्तों का समिति द्वारा हार्दिक अभिनन्दन किया गया। समाज के संरक्षक श्री स्वदेश भूषण जैन (पंजाब केसरी) ने अपने उद्बोधन में इस चातुर्मास को अशोक विहार क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के उपनगरों के लिए भी पुण्यार्जन का अभूतपूर्व अवसर बताया और सभी से अनुरोध किया कि वर्ष 2007 में हुए भव्य चातुर्मास की तरह ही इस वर्ष भी यह चातुर्मास ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ सानंद संपन्न हो। उल्लेखनीय है कि चातुर्मास कलश स्थापना समारोह रविवार 4 अगस्त 2024 को आयोजित होगा। -**समीर जैन**

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन में सुनी समस्याएं

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए तत्काल अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। राजातालाब निवासी श्री अब्दुल सलिम ने आवारा मवेशी के विचरण करने की शिकायतें की। इस पर तत्काल कलेक्टर ने कार्रवाई के निर्देश दिए और तत्काल मवेशियों को हटाने को कहा। कैलाशपुरी निवासी श्री प्रमोद देवांगन ने पेड़ कटवाने के लिए, बंजारी रोड निवासी श्री नरेंद्र गिरेपुंजे ने उचित न्याय दिलाने, पंडरी निवासी चितरंजन ने अपराधिक घटना के संबंध में शिकायतें की। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 23 जुलाई 2024

संक्षिप्त समाचार

किरंदुल में टूटा एनएमडीसी का डैम, मचा हाहाकार

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां भारी बारिश के चलते एनएमडीसी (नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) का डैम टूट गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, डैम के टूटने से मौके पर बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। डैम टूटने के कारण सड़क पर पानी का तेज बहाव हो रहा है, जो सामने आ रही हर चीज को बहा ले जा रहा है। अचानक आई इस बाढ़ से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई है। स्थानीय लोगों में भय और चिंता का माहौल व्याप्त है। मौके पर मौजूद एक शख्स ने पानी के तेज बहाव का वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें पानी के विकराल रूप को देखा जा सकता है। वीडियो में पानी की तेज धारा और उसके प्रभाव को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिससे इलाके में हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों और राहत टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया है। बचाव कार्य तेजी से जारी है और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। इसके साथ ही, संबंधित अधिकारियों ने डैम के टूटने के कारणों की जांच शुरू कर दी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों पर विचार किया जा रहा है। इस घटना से दंतेवाड़ा जिले में भारी नुकसान की आशंका है, और स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन, दी गई जानकारी

सुकमा(विश्व परिवार)। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक राजेन्द्र प्रसाद कश्यप एवं डॉ परमानंद साहू द्वारा ग्राम धोबनपाल विकासखंड छिन्दगढ़ में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. परमानंद द्वारा विभिन्न खरीफ फसलों जैसे, धान, अरहर व मक्के की कतार बोनी के लिए विभिन्न मानव चलित सीड दील (जिबल व ट्रेक्टर चलित सीड कम फर्टीलाइजर ड्रील से बीज बोने के विषय में विस्तृत जानकारी व उसके रखरखाव के बारे में पुरुष व महिला कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। डिबलर से अरहर की कतार बोनी का प्रक्षेत्र परीक्षण अंतर्गत पांच किसानों के 2.50 एकड़ प्रक्षेत्र में बुवाई भी कराया गया। राजेन्द्र प्रसाद कश्यप द्वारा खरीफ की विभिन्न फसलों धान अरहर व मक्के में रोग एवं उसके रोकथाम के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया। कश्यप द्वारा अरहर की फसल में मृदा जनित उक्ठा रोग के नियंत्रण संबंधित प्रक्षेत्र परीक्षण के लिए बोने को पूर्व बीज उपचार जैविक फफूंदनाशक इकोडर्मा) 6 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचार कराया गया तथा इसके साथ ही साथ समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत खरीफ में हिल की बुआई करने वाले कृषकों को भी प्रशिक्षित कर उनका पंजीयन किया गया।

नवीन कानूनों के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक एकेडमी बिलासपुर के निर्देशानुसार दिनांक 01 जुलाई 2024 से लागू तीन नवीन कानून के संबंध भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 में जिला स्तर के लोक अभियोजकों एवं वकीलों के कार्य क्षमता में वृद्धि किये जाने हेतु आज कार्यशाला का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये गये थे। श्री सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कुशल मागदर्शन एवं निर्देशानुसार एडीआर भवन जिला न्यायालय कोरबा में नवीन कानूनों के संबंध में कार्यशाला का आयोजन श्री जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश, एस्ट्रोसिटीज एक्ट कोरबा, जिला अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्री कृष्ण कुमार सूर्यवंशी, सिविल जज श्रीमती प्रतिक्षा अग्रवाल, श्री गणेश कुलदीप, अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ कोरबा, तथा वरिष्ठ अधिवक्तागणों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। श्री सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान न्यायाधीश महोदय जी के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि पुराने कानून में न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण पक्षकार को न्याय मिलने में विलम्ब होता था। जिसके कारण नागरिक कोर्ट जाने की हिम्मत नहीं करता था। पुराने कानून की कमियों को दूर करने के लिये नये कानून बनाये गये है, नये कानून में सभी प्रकरणों के निराकरण में एक समय सीमा निर्धारित की गई है। जिसका फायदा निश्चित रूप से पक्षकारों एवं पीड़ित को मिलेगा। इस नये कानून से न्यायालीन प्रक्रिया में होने वाले विलम्ब में कमी आयेगी। अधिवक्ताओं को नये कानून की जानकारी से उनके ज्ञान में वृद्धि होगी। श्री जयदीप गर्ग, कोरबा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि नये कानून में उन्हें 498 की धारा का प्रावधान अच्छा लगा, आज से 10 - 15 वर्ष पहले 498 धारा में अनेको लोगों को अभियुक्त बना लेते था और न्यायालय को रिव्यू करने का अधिकार नहीं होने के कारण पक्षकार उच्च न्यायालय में उन्हें जाना पड़ता था।

बच्चों की शिक्षा और सेहत पर दें विशेष ध्यान : कलेक्टर

कलेक्टर ने ली आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। जिला कार्यालय के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सभी आश्रम-छात्रावास के अधीक्षकों को विद्यार्थियों की शिक्षा और सेहत पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों की उपस्थिति पर निगरानी रखी जाए। उन्होंने मलेरिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों के प्रकोप की संभावना को देखते हुए आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को मच्छरदानी प्रदान करने के साथ ही खिड़कियों में भी जाली लगवाएं। बच्चों में बुखार आने पर तुरंत

चिकित्सक को दिखाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है अत: बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाएं। उन्होंने डायरिया के रोकथाम के लिए भी आवश्यक कार्यवाही करते हुए टंकियों एवं जलस्त्रोतों का क्लोरीनेशन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन प्रदान करें। मेन्यू चार्ट का प्रदर्शन प्रवेश मार्ग के साथ ही डायनिंग रुम में भी करें। भोजन पकाने के लिए सभी आश्रम छात्रावासों में एलपीजी का उपयोग करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही शौचालय और स्नानागार की स्वच्छता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कमरों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को जो सामग्री शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई है वह बच्चों को प्रदान करें तथा किसी भी स्थिति में अनुपयोगी न छोड़ें। उन्होंने आगामी मंगलवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत सभी आश्रम-छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण करने क निर्देश दिए। कलेक्टर ने आश्रम-छात्रावास परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बच्चों को शिक्षा, खेलकूद के लिए आदर्श वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई बच्चा यदि किसी प्रकार की परेशानी व्यक्त कर रहा है तब तत्काल इसका निराकरण किया जाएगी। उन्होंने आश्रम-छात्रावासों में निगरानी समिति के गठन के साथ ही प्रत्येक माह पालक-बालक सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त डॉ रेशमा खान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सिंह, समग्र शिक्षा के जिला मिशन समन्वयक महेन्द्र पांडे सहित आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षकगण उपस्थित थे।

मूलभूत सुविधाओं से दूर ग्राम कुम्हर मरा बिजली पानी के लिए तरसते लोग

गरियाबंद(विश्व परिवार)। गर्मी के प्रारंभ होने के साथ ही जिला प्रशासन द्वारा हर सप्ताह के समय सीमा की बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में लोगो को पेय जल सुविधा देने का निर्देश दिया जाता रहा है,साथ ही इन कार्यों में लापरवाही नही करने का निर्देश भी जिला प्रशासन द्वारा दिया गया है।लेकिन जिले का एक ऐसा ग्राम है जहा पीने की पानी के साथ अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है।ज्ञात हो कि गरियाबंद जिले के छुरा ब्लाक के ग्राम पंचायत सांकरा के आश्रित ग्राम कुम्हर मरा के ग्रामीणों ने लिखित में शिकायत बताते हुए कहा की ग्राम में पीने के शुद्ध पानी ग्रामीणों को देने के लिए महीनो पहले पानी टंकी के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है,लेकिन पूरा गर्मी का मौसम बीत गया और बरसात भी आधा गुजर गया तब भी पानी टंकी का कार्य पूरा नहीं हो पाया और न ही लोगो को नल जल की सुविधा ही मिल पाया है।वही ग्राम के अधिकांश हैंड पंप खराब पड़ा है जिसके चलते लोगो को पीने की पानी के लिए परेशान होना पड़ता रहा है,इस पानी की समस्या के चलते रविवार को ग्राम कुम्हर मरा के ग्रामीणों ने पीने की पानी और दैनिक उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए पंचायत सचिव और जनप्रतिनिधियों से मांग किया,उनके मांग के अनुरूप पानी टैंकर भेजने का आश्वासन तो पंचायत दिया गया लेकिन शाम तक पानी टैंकर नही भेजे,जिससे मजबूरन ग्रामीणों के द्वारा बरसात की पानी को इकठ्ठा कर दैनिक उपयोग के लिए पानी तो ले लिए लेकिन पीने और खाना बनाने की पानी के लिए ग्रामीण तरसते दिखे। साथ ही बरसात के मौसम में गाली का मार्ग कच्ची होने से सभी तरफ कीचड़ और दलदल व्याप्त है,सीसी रोड बनाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान नही दिया है।एक तरफ सीसी रोड नही दूसरी तरफ बरसात के चलते कीचड़ और दलदल है साथ ही बिजली के खंभे तो है लेकिन ज्यादातर खंभे के बिजली खराब हो गया है जिससे लोगो को रात के समय और ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जबकि जनप्रतिनिधि व प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों को हर संभव सुविधा देने के लिए पंचायत स्तर पर विकास कार्य मांग,मनरेगा का कार्य और अन्य तरह से राशि आबंटित किया जाता है।वही बरसात के प्रारंभ में ही जिला प्रशासन और स्वास्थ विभाग द्वारा ग्राम में स्वच्छता बनाने गंदगी न रखने के हर संभव प्रयास कर लोगो में जागरूकता लाने अपील किया जाता है।लेकिन ग्राम पंचायत सांकरा के आश्रित ग्राम कुम्हर मरा जहा हर गली मोहल्ले और चौक चौराहों में गंदगी और कीचड़ व्याप्त है जिसमे रहने ग्रामीण मजबूर है।

शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर की 18 लाख की ठगी

कोंडागांव(विश्व परिवार)। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 18.56 लाख की ठगी करने वाले मध्य प्रदेश के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितयों के कब्जे से स्कूटी लैपटॉप मोबाइल सहित कुल 7 लाख का सामान बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में सौरभ काबरे होशंगाबाद जिला नर्मादापुरम, नितेश वर्मा भोपाल, कुलदीप शिलावट भोपाल, उदीत शिलावट भोपाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। आरोपितों ने पीड़ित को शेयर मार्केट में निवेश करने पर अधिक लाभ मिलने का लालच दिया। पीड़ित आरोपियों के झांसे में आ गया और तकरीबन 18 लाख 50 हजार रुपये दे दिए। आरोपियों ने फर्जी डिमेट एकांउट खुलवाकर 18 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। पीड़ित ने पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। शिकायत के बाद कोंडागांव पुलिस की टीम आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए गुना, होशंगाबाद, भोपाल एवं आसपास कुछ जगहों पर रहकर लगातार तीन दिनों तक रेकी किया। आरोपियों के संबंध में जानकारी हासिल कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्कूटी, लैपटॉप, अलग-अलग कंपनियों के आईफोन मोबाइल 21 और अलग-अलग खातों के डेबिट कार्ड सहित कुल 7 लाख रुपए का सामान बरामद किया।

शहीदों के सम्मान में आईएमए के आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 2010 मरीजों का इलाज

शहर के नामी चिकित्सकों के साथ रायपुर के विशिष्ट चिकित्सक भी हुए शामिल

कवर्धा(विश्व परिवार)। शहीदों के सम्मान में एक जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की कवर्धा शाखा के तत्वावधान में किया गया। इस शिविर में 2010 मरीजों का इलाज किया गया और उन्हें मुफ्त दवा प्रदान की गई। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. केपी जांगड़े और सचिव डॉ. अतुल जैन ने बताया कि यह शिविर कॉलेज के डोम में आयोजित किया गया था। इस सुपर स्पेशलिटी जांच कैंप में रायपुर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। सुपर स्पेशलिटी जांच कैम्प में रायपुर के प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सक की सेवाएं उपलब्ध थी जिसमें डॉ पुष्पेंद्र नायक पेट रोग विशेषज्ञ द्वारा 210 मरीज , डॉक्टर लवलेश राठौर न्यूरोसर्जन द्वारा 275 मरीज डॉ निशा जैन चर्म रोग विशेषज्ञ द्वारा 210 मरीज बालको कैंसर हॉस्पिटल की टीम द्वारा 280 मरीजों का परीक्षण किया गया जिसमें 3 मरीज सम्भावित कैंसर के पहचान किये गए । डॉ अनुराग यादव द्वारा किडनी से संबंधित 75 मरीज हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ निखिल मोतीरमानी द्वारा 80 मरीजों का उपचार मेडिसन व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सिद्धार्थ जैन , डॉ नीरज , डॉ अविनाश , डॉ सिद्धांत द्वारा 170 मरीज की जांच व दवा दी गई । आईएमए के अध्यक्ष डॉ केपी जांगड़े द्वारा नाक कान गला से संबंधित 70 मरीज , दंत से संबंधित 30 डॉ व्यासनारायन द्वारा सर्जरी से संबंधित 20 डॉ अतुल जैन , डॉ गजेंद्र सिंह , डॉ सूर्यकांत , डॉ किशोर द्वार हड्डी से संबंधित 240 मरीज का उपचार डॉ रानी संगीता जैन , डॉ प्रियंका सिंह परिहार द्वारा स्त्री रोग से संबंधित 110 मरीज का उपचार शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ शशि कपूर सिंह परिहार व डॉ आशीष मिश्रा द्वारा 80 बच्चो की जांच उपचार कर दवा प्रदान की गई ।

मैनपुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

ग्रामीणों के समस्याओं एवं शिकायतों से सबंधित 249 आवेदन हुए प्राप्त

गरियाबंद(विश्व परिवार)। मैनपुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजस्व, पंचायत, कृषि, क्रेडा, वन, स्वास्थ्य, पीएचई, महिला एवं बाल विकास, उद्योग, शिक्षा, आदिवासी विकास, विद्युत, श्रम, समाज कल्याण एवं अन्य विभागों द्वारा आमजनों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए स्टॉल लगाए गए थे। शिविर में लोगों के समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित 249 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें से 242 मांग से संबंधित एवं सात आवेदन शिकायती प्राप्त हुए। शिविर में अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। लंबी प्रक्रियाओं वाले एवं उच्च कार्यालयों के मार्गदर्शन से संबंधित आवेदनों के निराकरण के बारे में आवेदकों को अवगत कराया गया। जिला अधिकारियों ने अपने-

अपने विभागों के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी शिविर में मौजूद लोगों को भी दी। जिला स्तरीय शिविर में बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल हुए। शिविर में मौजूद अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन किया। साथ ही हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। विधायक एवं कलेक्टर ने किसानों को मत्स्य विभाग की ओर से मछली जाल एवं आईस बाक्स का वितरण किया। ग्राम उसरीजोर के किसान जदूराम को भेजीपदर व्यपवर्तन योजना के तहत भू-अर्जन की राशि के रूप में 10 लाख रूपये का चेक भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विधायक एवं कलेक्टर ने 4 बच्चों को अन्नप्राशन करवाया, साथ ही गर्भवती महिलाओं को गोद भराई की रश्म के तहत पोषण आहार किट भी प्रदान किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष संजय नेताम, जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम, जनपद अध्यक्ष मैनपुर नूरमति मांझी, उपाध्यक्ष नंदकुमारी राजपूत, एसडीएम तुलसीदास मरकाम, जनपद सीईओ डीएस नागवंशी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी गण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनसमस्या निवारण शिविर में मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक जनक ध्रुव ने कहा कि ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर त्वरित निराकरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। सभी विभागों के स्टॉलों में लोगों के समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए गए। साथ ही उनका निराकरण भी किया जा रहा है। विधायक श्री ध्रुव ने सभी विभागों के अधिकारियों को तत्परता एवं गंभीरतापूर्वक ग्रामीणों के आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिये। शिविर में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक माह दो जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में सभी जिला अधिकारियों को उपस्थित होकर आमजनों की समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क जांच किया जा रहा है। कलेक्टर ने लोगों को नि:शुल्क बीपी और शुगर सहित स्वास्थ्य संबंधी अन्य प्रकार की जांच कराकर स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहने एवं आवश्यकतानुसार नि:शुल्क ईलाज प्राप्त करने का भी संदेश दिया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 23 जुलाई 2024

व्यापार समाचार

बढ़ती आय की वजह से भारत में खपत में बढ़ोत्तरी खुदरा बिक्री भी बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। बढ़ती आय के साथ वस्तुओं और सेवाओं पर घरेलू उपभोग व्यय में वृद्धि के साथ देश में जून के महीने में खुदरा बिक्री में 5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी गई। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के एक सर्वेक्षण के अनुसार दक्षिण भारत में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जिसकी वजह से वह क्षेत्र सबसे आगे रहा, इसके बाद उत्तर और पूर्वी भारत में क्रमश: 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और पश्चिमी भारत में यह वृद्धि 4 प्रतिशत देखी गई। फुटवियर और परिधान के क्षेत्र में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आरएआई के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा, आगामी त्योहारी सीजन और अच्छे मानसून के साथ, हम उपभोक्ताओं की खर्च करने की बढ़ती क्षमता की वजह से खुदरा बिक्री में और सुधार की उम्मीद करते हैं। रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है। विशेष रूप से ऐसी वस्तुओं में जो उपभोक्ता के लिए गैर-आवश्यक हो, लेकिन सीजन के अंत में इसकी बिक्री बढ़ी है। सांख्यिकी मंत्रालय के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरेलू उपभोग व्यय वस्तुओं और सेवाओं पर बढ़ रहा है। सर्वेक्षण के अनुसार मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण भारत में 2011-12 की तुलना में मासिक प्रति व्यक्ति घरेलू खपत 2022-23 में 40 प्रतिशत बढ़ गई है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय 2011-12 में 1,430 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 2,008 रुपये हो गया। शहरी क्षेत्र में भी मुद्रास्फीति के समायोजन के बाद प्रति व्यक्ति घरेलू उपभोग व्यय 2011-12 के 2,360 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,510 रुपये हो गई, जो 33 प्रतिशत अधिक है। इस साल की पहली छमाही में देश में खुदरा स्टार्टअप ने पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक धन जुटाया। डेटा इंटेलिजेंस फर्म ट्रैक्सन के अनुसार 2024 की पहली छमाही में खुदरा क्षेत्र के लिए फंडिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 1.63 बिलियन डॉलर हो गई है, जो 2023 की पहली छमाही में 1.23 बिलियन डॉलर थी। यूबीएस की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दशक में भारत में खपत लगभग दोगुनी हो गई है। चीन, अमेरिका और जर्मनी जैसी दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में पिछले साल भारत में खपत तेजी से बढ़ी है।

इंडकल टेक्नोलॉजीज़ भारत में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन लॉन्च करेगी

नईदिल्ली। भारत की जानी-मानी टेक्नोलॉजी कंपनी इंडकल टेक्नोलॉजीज़ ने आज एसर इनकॉर्पोरेटेड के साथ ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के तहत स्मार्टफोन बाजार में प्रवेश करने की घोषणा की है। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ एक ग्लोबल आईसीटी दिग्गज है, जो अपनी खास टेक्नोलॉजी और शानदार उत्पादों के लिए जानी जाती है। इस समझौते के तहत, इंडकल भारत में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन की डिजाइनिंग, उत्पादन और वितरण करेगी। यह रणनीतिक डील भारतीय बाजार में एसर-ब्रांडेड स्मार्टफोन की शुरूआत का संकेत है। इसके साथ ही नवाचार और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी होती है। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ 2024 के मध्य में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन मॉडल्स की एक विस्तृत श्रृंखला लॉन्च करेगी। उम्मीद है कि कंपनी जल्दी ही बाजार में मजबूत और बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर लेगी। यह प्रयास एसर की ब्रांड की ताकत और भारतीय उपभोक्ताओं को प्रीमियम-गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने की इंडकल की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है, जिसमें मजबूत स्पेसिफिक्रेशन, अत्याधुनिक हार्डवेयर और उन्नत सॉफ़्टवेयर तकनीकें शामिल हैं। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ के सीईओ आनंद दुबे ने इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, एसर स्मार्टफोन कुछ ऐसा है जिस पर हम पिछले कुछ सालों से काम कर रहे हैं और आखिरकार हम इस फैसले की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं। हमें यकीन है कि एसर स्मार्टफोन के साथ भारतीय उपभोक्ताओं को एक बेहतरीन अनुभव मिलने वाला है। हमारे ग्राहक बेहतरीन प्रोसेसर, बेहतरीन कैमरा तकनीक और अपने रेंज में कई बेहतरीन फीचर्स के साथ बेहतरीन तरीके से डिजाइन किए गए स्मार्टफोन का अनुभव करेंगे।

आईडीबीआई बैंक ने लाभ में साल दर साल 40 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

नईदिल्ली। आज आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 40 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 1,719 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग लाभ 2,076 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.18 प्रतिशत का शुद्ध ब्याज मार्जिन दर्ज हुआ और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 3,233 करोड़ रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,998 करोड़ थी। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जमा की लागत 4.58 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4.12 प्रतिशत थी। सीआरएआर साल-दर-साल 209 बीपीएस की वृद्धि करते हुए 22.42 प्रतिशत पर पहुँच गया। एसेट्स पर रिटर्न साल-दर-साल 34 बीपीएस की वृद्धि के साथ 1.83 प्रतिशत रहा, तथा ईक्विटी पर रिटर्न साल-दर-साल 123 बीपीएस बढ़ते हुए 19.87 प्रतिशत पर पहुँच गया। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध एनपीए 30 जून 2023 को 0.44 प्रतिशत से घटकर 0.23 प्रतिशत रह गया और सकल एनपीए 30 जून 2023 को 5.05 प्रतिशत से कम होकर 3.87 प्रतिशत पर आ गया।

ग्रेटर नोएडा : आईटी-आईटीईएस स्कीम लॉन्च, 8,000 करोड़ का होगा निवेश

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने निवेशकों की मांग को देखते हुए आईटी/आईटीईएस के चार भूखंडों की योजना लॉन्च कर दी है। इस योजना के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। 9 अगस्त तक पंजीकरण किए जा सकते हैं। रिजर्व प्राइस के हिसाब से इन भूखंडों की कीमत करीब 233 करोड़ रुपये है। अगर सभी चार भूखंड आवंटित हो जाते हैं तो इससे करीब 8,000 करोड़ रुपये के निवेश और 5,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। दरअसल, आईटी कंपनियों की मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने आईटी-आईटीईएस भूखंडों की स्कीम जल्द लॉन्च करने को कहा था। सीईओ की पहल पर चार भूखंडों की स्कीम लॉन्च कर दी गई है।

मनोलो मार्केज बने भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच

अनिलकुमार एआईएफएफ महासचिव नियुक्त किये गए

नई दिल्ली(एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने आईएसएल टीम एफसी गोवा के स्पेनिश कोच मनोलो मार्केज को तत्काल प्रभाव से भारतीय सीनियर पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है, जिससे उन्हें क्लब के प्रबंधन और 2024-25 सीज़न के लिए राष्ट्रीय टीम की दोहरी जिम्मेदारी दी गई है। मार्केज को इगोर स्टिमैक के उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने का निर्णय, जिन्हें फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए अर्हता प्राप्त करने में टीम की विफलता के बाद बरकरार नहीं रखा गया था, एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शनिवार को यहां फुटबॉल हाउस में की थी। 2024-25 सीज़न के दौरान, मार्केज़ एफसी गोवा में पहली टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे और पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय कोचिंग भूमिका संभालने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे। एआईएफएफ ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में मार्केज़ के हवाले से कहा,भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का कोच बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, एक ऐसा देश जिसे मैं अपना दूसरा घर मानता हूं। भारत और इसके लोग ऐसी चीज़ हैं जिनसे मैं जुड़ा हुआ महसूस करता हूं और जब से मैं पहली बार इस खूबसूरत देश में आया हूं तब से मैं खुद को इसका एक हिस्सा महसूस करता हूं। मैं अपने लाखों प्रशंसकों को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहता हूं। मार्केज़ ने एआईएफएफ मीडिया टीम को बताया, मैं एफसी गोवा का बहुत आभारी हूं कि उसने हमें आगामी सीज़न के दौरान राष्ट्रीय टीम की मदद करने की छूट दी, जबकि मैं अभी भी क्लब का मुख्य कोच हूं। मैं इस अवसर के लिए एआईएफएफ का आभारी हूं और हमें फुटबॉल के लिए महान काम करने की उम्मीद है। विकास पर टिप्पणी करते हुए, एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, हमें इस महत्वपूर्ण भूमिका में मार्केज़ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है और उन्हें राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए रिहा करने की उदारता के लिए एफसी गोवा के भी आभारी हैं। हम आने वाले वर्षों में मार्केज़ के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। एआईएफएफ, एफसी गोवा और मार्केज़ यह सुनिश्चित करने के लिए निकटता से सहयोग करेंगे कि दोनों नौकरियों के बीच न्यूनतम प्रभाव हो और सभी शामिल लोगों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। बार्सिलोना के 55 वर्षीय मनोलो मार्केज़ के पास भारतीय फुटबॉल और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों, विशेषकर युवाओं को कोचिंग देने का व्यापक ज्ञान और अनुभव है। पिछले कुछ वर्षों में कई राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को उनकी हैदराबाद एफसी टीम से बुलाया गया था। मार्केज़ 2020 से भारत में कोचिंग कर रहे हैं। उन्होंने दो आईएसएल क्लबों को कोचिंग दी है - एफसी गोवा (2023-वर्तमान) में जाने से पहले उनका पहला कार्यकाल हैदराबाद एफसी (2020-23) के साथ था। वह 2021-22 में हैदराबाद एफसी के साथ आईएसएल कप विजेता हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्यों की संख्या मई में 19.5 लाख बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े सदस्यों की संख्या मई में 19.50 लाख बढ़ गई। यह अप्रैल 2018 के बाद की सबसे बड़ी वृद्धि है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2023 की तुलना में इस साल मई में ईपीएफओ से जुड़ने वाले सदस्यों का शुद्ध आंकड़ा 19.62 प्रतिशत अधिक रहा। ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या में वृद्धि दिखाता है कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। इसके साथ कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और ईपीएफओ के कार्यक्रम प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंच रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 में ईपीएफओ से 9.85 लाख नए सदस्य जुड़े हैं। पिछले महीने के मुकाबले इसमें 10.96 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, मई 2023 के मुकाबले 11.5 प्रतिशत नए सदस्य जुड़े हैं। मई 2024 में जुड़े नए सदस्यों में 58.37 प्रतिशत लोग 18 से 25 आयु वर्ग के हैं। यह दिखाता है कि नए जुड़े सदस्यों में बड़ी संख्या पहली बार नौकरी पाने वालों की है। पेरोल डेटा दिखाता है कि 14.09 लाख सदस्य पूर्व में ईपीएफओ से एग्जिट करने के बाद दोबारा से जुड़े हैं। इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली ली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाली संस्थाओं में फिर से शामिल हो गए। इन्होंने फाइनल सेटेलमेंट चुनने की जगह अपनी राशि को ट्रांसफर करने का विकल्प चुना। लिंग के आधार पर देखा जाए तो मई में करीब 2.48 लाख नई महिला सदस्य जुड़ी हैं। इसमें सालाना आधार पर 12.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जबलपुर कॉन्क्लेव में देशी-विदेशी उद्योग संघों के 3,500 से ज्यादा प्रतिनिधि होंगे शामिल

जबलपुर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में शनिवार को होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसमें देश और विदेश के विभिन्न उद्योग संघों के साढ़े तीन हजार से ज्यादा प्रतिनिधि हिस्सा लेगें। यह आयोजन जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस कल्चरल एंड इंफार्मेशन सेंटर में होने वाला है। आयोजन स्थल कार्यक्रम के लिए पूरी तरह तैयार है। इस आयोजन के लिए सरकार ने एक ऐप बनाया है, जो एआई आधारित है। इसके जरिए प्रतिनिधियों को कॉन्क्लेव की जानकारी दी जा रही है। वहीं, इसके जरिए औद्योगिक प्रतिनिधि भी आपस में मिलने का समय तय कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव 80 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक और सूचना केंद्र का उद्घाटन कर यहां होने वाले क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन का शुभारंभ भी करेंगे। सम्मेलन में प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों और प्रमुख विदेशी प्रतिनिधियों सहित 3500 से अधिक उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। मुख्यमंत्री 60 से अधिक इकाइयों का वर्चुअली उद्घाटन कर उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा भी करेंगे। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल होने वाली हस्तियों में बैद्यनाथ समूह, आईटीसी, वोल्वो आयशर, बेस्ट कॉर्प, एसआरएफ एवं दावत समूह जैसे प्रमुख औद्योगिक ग्रुप शामिल हैं। कार्यक्रम में ताइवान, मलेशिया, ब्रिटेन, फिजी, जापान और इंडोनेशिया का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख विदेशी प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। जबलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पांच क्षेत्रीय सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें कृषि, खाद्य एवं डेयरी प्रसंस्करण, रक्षा, खनन एवं खनिज, कपड़ा एवं परिधान तथा पर्यटन शामिल हैं। साथ ही उद्योग संघों, स्टार्ट-अप्स एवं रक्षा, कपड़ा एवं परिधान के विशेषज्ञों के साथ राउंड-टेबल चर्चा भी होगी।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के बाद विमानों का संचालन हुआ सामान्य, नागर विमानन मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक स्तर पर आई गड़बड़ी के कारण विमानन सेवा में आई बाधा अब ठीक हो गई है। नागर विमान मंत्रालय की तरफ से प्रेस रिलीज जारी कर बताया गया, आज सुबह 3 बजे से देश के सारे हवाई अड्डों पर हवाई प्रणाली ने सुचारू रूप से कार्य करना शुरू कर दिया। अब उड़ान परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है। कल व्यवधान के कारण कार्य लंबित हुआ था। और आज यह धीरे-धीरे सही हो गया। हम अब सारी समस्याओं के खत्म होने की उम्मीद करते हैं।हम विमानन कंपनियों द्वारा दिये जाने वाले रिफंड और टिकटों के समायोजन के साथ हवाई अड्डों पर उड़ान परिचालन की लगातार निगरानी कर रहे हैं। हम आपके धैर्य के लिए आभारी हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक स्तर पर आई गड़बड़ी के कारण फ्लाइट्स में हुई देरी से यात्री बुरी तरह प्रभावित हुए। फ्लाइट्स को टेकऑफ में देरी के अलावा, चेक-इन तथा बुकिंग में भी लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। दुनिया भर में शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी सिस्टम में तकनीकी खराबी का असर कई एयरलाइन्स पर पड़ा। इसकी वजह से भारत समेत दुनिया के कई देशों के विमान एयरपोर्ट पर ही खड़े रह गए। मुंबई के अंधेरी में इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस में गड़बड़ी के कारण ऑनलाइन चेक-इन सेवा बंद कर दी गई थी। इतना ही नहीं, इस गड़बड़ी के चलते हुई अव्यवस्था का असर रेलवे स्टेशन पर भी दिखाई दिया था। इधर नई दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर भी लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। हैदराबाद एयरपोर्ट पर कई उड़ानें कैंसिल करनी पड़ी।

खेल का ऐसा जुनून! इस खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक के लिए कटवा ली अंगुली, वजह होश उड़ा देगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। खेलों में खिलाड़ियों का जुनून किस हद तक हो सकता है, इसका ताजा उदाहरण ऑस्ट्रेलिया से सामने आया है, जहां हॉकी टीम के एक खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने के लिए अपनी एक उंगली को कुर्बान कर दिया। फैंस के लिए यह बात चौंकाने वाली हो सकती है, लेकिन यह हकीकत है। जिस खिलाड़ी ने अपना उंगली का बलिदान दिया है उनका नाम मैट डॉसन है, जो ऑस्ट्रेलिया हॉकी टीम का हिस्सा हैं। मैट डॉसन ने पेरिस ओलंपिक में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपनी उंगली कटवा ली। हाल में 30 साल के इस खिलाड़ी ने दाहिने हाथ की अनामिका उंगली तोड़ दी थी, जिससे उनका ओलंपिक खेलने का सपना खतरे में आ गया था। फिर थॉमस ने ओलंपिक में भाग लेने के लिए डॉक्टरों से परामर्श किया और बाद में अपनी उंगली का ऊपरी हिस्सा कटवाने का फैसला किया। टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडल टीम के सदस्य डॉसन को अपनी उंगली को प्लास्टर में करने या फिर उसे ठीक होने देने या अलग करने का विकल्प चुनना था, जिसमें डॉसन ने सर्जरी कराने का फैसला लिया।

इंडियन ऑयल ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट पर STORM-X रेसिंग ईंधन लॉन्च किया

चेन्नई: भारत की प्रमुख ऊर्जा कंपनी, इंडियन ऑयल ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट पर इंडियन नेशनल कार रेसिंग चैंपियनशिप के दौरान रेसिंग कारों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए उच्च-ऑक्टेन रेसिंग ईंधन, STORM-X के लॉन्च की गर्व के साथ घोषणा की। इस महत्वपूर्ण आयोजन ने भारत में मोटरस्पोर्ट्स में क्रांति लाने के उद्देश्य से इंडियनऑयल और मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब (MMSC) के बीच हुए रणनीतिक साझेदारी समझौते का भी जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में श्री वी. सतीश कुमार, निदेशक (विपणन), इंडियन ऑयल ने MMSC के पदाधिकारियों - श्री अजीत थॉमस - अध्यक्ष, श्री प्रभा शंकर, सचिव और श्री विक्की चंदोक - उपाध्यक्ष की उपस्थिति में ब्रांड लोगो का अनावरण करके STORM-X को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया। इस सहयोग ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है, क्योंकि इंडियनऑयल इंडियन नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप (INRC) के दौरान रेस ईंधन और स्नेहक की आपूर्ति करेगा और आयोजन स्थल तथा वाहनों की ब्रांडिंग प्रदान करेगा। श्री वी. सतीश कुमार, निदेशक (विपणन), इंडियनऑयल ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि इंडियनऑयल में, हम हमेशा अपने ग्राहकों की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन और स्नेहक प्रदान करने में सबसे आगे रहे हैं।

बेजोड़ साउंड एक्सपीरियंस के लिए BRAVIA Theatre Bar 8 और Bar 9 साउंडबार के साथ सिनेमा को घर पर ले आएं

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज अपने नवीनतम BRAVIA Theatre Bar 8 और BRAVIA Theatre Bar 9 के लॉन्च की घोषणा की। इन अत्याधुनिक साउंडबार को घर पर एक बेजोड़ सिनेमाई अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऑडियो और विज़ुअल टेक्नोलॉजी में सोनी की विशेषज्ञता को बेहतरीन इन-होम एंटरटेनमेंट के लिए एडवांस सुविधाओं के साथ जोड़ता है। घर पर सिनेमा देखने के अनुभव को बेहतर करने के लिए सोनी के नए BRAVIA Theatre Bars प्रोडक्ट डिज़ाइन किए गए हैं, जो आपके लिविंग रूम में बड़ी स्क्रीन का जादू जैसा फीलिंग देते हैं। स्ट्रीमिंग सेवाओं के विस्तार और होम एंटरटेनमेंट के बढ़ते चलन के साथ, BRAVIA Theatre Bar 8 में 11 स्पीकर यूनिट और BRAVIA Theatre Bar 9 में 13 स्पीकर यूनिट के साथ ही बेहतरीन साउंड क्वालिटी और अत्याधुनिक तकनीक की सुविधा उपलब्ध है। इन खूबियों के साथ ये प्रोडक्ट आपकी मूवी नाइट्स को बदल देने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। सोनी की मालिकाना 360 स्पैटियल साउंड मैपिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए, कई फैंटम स्पीकर्स जेनरेट किए जाते हैं, जबकि वहां पर कोई वास्तविक भौतिक स्पीकर इंस्टॉल नहीं होते हैं, यहां तक कि ऊपर या बगल में भी कोई फिजिकल स्पीकर नहीं होते। यह एक 360 स्पैटियल साउंड अनुभव को महसूस कराता है। साथ ही एक विशिष्ट घरेलू सेटिंग के लिए अनुकूलित होता है, जिसमें एक विस्तृत साउंड फील्ड पैदा होता है, जिससे आपको विभिन्न दिशाओं से ऑडियो सुनाई पड़ता है। सिनेमा देखने के अनुभव को बढ़ाता है, और वह भी बिना छत या दीवारों पर कोई भौतिक स्पीकर लगाए बिना। पहले, फैंटम स्पीकर बनाने के लिए साउंडबार और रियर स्पीकर दोनों की आवश्यकता होती थी। हाल ही में रिलीज़ हुए BRAVIA Theatre Bar 9 और BRAVIA Theatre Bar 8 के साथ, आप सिर्फ़ एक साउंडबार का उपयोग करके 360 स्पैटियल साउंड मैपिंग का आनंद ले सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 23 जुलाई 2024

मुख्यमंत्री साय को पोला महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज यहां विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में दुर्ग विधायक श्री ललित चन्द्राकर के नेतृत्व में आये शास्त्री नवयुवक मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को पारम्परिक खुमरी पहना कर उनका अभिवादन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को दुर्ग जिले के मड़ियापार में आगामी 2 सितम्बर को आयोजित होने वाले पोला महोत्सव के 65वें आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने शास्त्री नवयुवक मंडल को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया और महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ भव्य शोभा यात्रा के साथ सानंद संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। अष्टानिका पर्व में अनंत सिद्ध भगवानों की आराधना का सौभाग्य व सिद्धि चक्र महामंडल विधान करने कराने का सातिशय पुण्य है, महासती मैना सुंदरी व कोटिभट्ट श्रीपाल जिसके जीवंत उदाहरण हैं, मैना सुंदरी ने भक्ति भाव पूर्वक सिद्ध चक्र महामंडल विधान करके अपने पति श्रीपाल को कोढ़ रोग से मुक्ति दिलाई थी।

आज विधान में सौधर्म इंद्र, कुबेर, यज्ञनायक, मैना सुंदरी आदि पात्रों एवं विधान में बैठे धर्ममांविलंबियों ने श्रीफल चढ़कर अर्ध समर्पित किया। तदुपरांत विश्व शांति महायज्ञ में सभी ने आहुतियां दी।

आज श्री वासु जैन (आईएएस) श्रीमती अंशिका जैन श्री अभिषेक जैन अधीक्षण अभियंता, भाजपा के वरिष्ठ नेता लोकेश कावड़िया, श्री प्रेम लुणावत, श्री राजेंद्र सेठिया, पार्षद श्रीमती सुमन एवं श्री राम प्रजापति आदि सम्मिलित हुए।

रायपुर के शंकर नगर स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, ब्रह्मचारी सुनील भैया जी जबलपुर के उत्तम मार्गदर्शन एवं मंगल सानिध्य मे श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन बड़े ही उल्लास पूर्वक हुआ। सह विधानाचार्य पं0 नितिन जैन रायपुर रहे।

आज आषाढ़ शुक्ल गुरु पूर्णिमा के दिन प्रात: काल में सर्वप्रथम श्री जी का मंगल अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न हुई ततपश्चात भक्तों ने मंडल पर 1024 अर्घ्य समर्पित कर भक्ति भाव पूर्वक सिद्ध भगवानों की आराधना की व गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी आचार्य उपाध्याय साधु जनों का स्मरण भी किया।

विधान के पश्चात सभी ने विश्व शांति हेतु महायज्ञ किया तदुपरांत प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी को पालकी में बिठाकर बड़े ही उल्लास पूर्वक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सभी जनो ने नृत्य करते हुए आत्म विभोर होकर श्री जी की भक्ति की शोभा यात्रा में बग्गी, बैंड आदि का समायोजन रहा।

यात्रा निकलते ही इन्द्र देव ने जोरदार वर्षा कर भगवान की पालकी का अभिषेक किया। वर्षा मे सभी भक्ति जल से भीगते हुए शोभायात्रा का आनंद लेते रहे।

श्रीजी की शोभायात्रा श्री जिनालय से प्रारंभ होकर, शंकर नगर चौक, बॉटल हाउस होते गली नंबर 6 से पुन: जिन मंदिर पहुंची। भगवान की पालकी जिन जिन भक्तों के घर से निकली सभी ने इसे परम सौभाग्य मानते हुए श्रीजी की आरती उतार कर उनके श्री चरणों में श्रीफल भेंट किये एवं उनकी स्तुति के गीत गाए।

कार्यक्रम के पश्चात सभी के वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई जिसमें सभी ने मर्यादित शुद्ध भोजन ग्रहण किया एवं कार्यक्रम की अपार सफलता के लिए एक दूसरे को बधाइयां प्रेषित की। मंदिर समिति के संरक्षक श्री कमल पाटनी, श्री सनत चूड़ी वाले श्री आजाद जैन, श्री प्रदीप जैन विश्व परिवार, अध्यक्ष श्री मनीष जैन, उपाध्यक्ष श्री विपुल जैन अमिताभ जैन, सचिव श्री अमित गोयल सहसचिव श्री संतोष जैन, कोषाध्यक्ष श्री देवेन्द्र जैन सहित श्री अमित जैन, श्री सुजीत जैन, श्री विजय कस्तूरे, श्री संदीप बंडी, श्री विवेक जैन, श्री अजय जैन, श्री सुधांसु जैन, श्री एम एल जैन, श्री स्नेह जैन महिला मंडल एवं संपूर्ण समाज के सहयोग से कार्यक्रम सानन्द संपन्न हुआ।

-प्रियेश जैन

संक्षिप्त समाचार

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया 117वां स्थापना दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा 20 जुलाई को विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की श्रृंखला के साथ धूमधाम से अपना 117 वांस्थापना दिवस मनाया गया। पूरे छत्तीसगढ़ में बैंक द्वारा कुल 1, 175 पौधे लगाए गए, 117 यूनिट रक्त दान किए गए। अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बैंक द्वारा एम्स को व्हीलचेयर, कई विद्यालयों में वाटर कूलर, वंचित बच्चों को स्कूल बैग और अनाथालय में खाद्यान्न भेंट कर जन हितैषी कार्य किये। इनके अलावा स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. सुबह स्टाफ सदस्यों द्वारा बाइक रैली निकाली गई व मानव श्रृंखला तैयार की गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर में आयोजित इन समस्त कार्यक्रमों में श्री भरतकुमार चावड़ा, उप महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास) एवं प्रभारी छत्तीसगढ़, डॉ रमेश कुमार मोहंती, उप महाप्रबंधक, अनुपालन एवं आश्वासन, उप महाप्रबंधक, श्री रंजीत कुमार मंडल, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्र श्री किसलय प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार यादव, आंचलिक लेखा परीक्षा संविभाग के प्रमुख सहायक महाप्रबंधक श्री चंदन दत्ता, एसएमई शाखा प्रमुख, सहायक महाप्रबंधक श्री संदीप कुमार मान, मिड कॉर्पोरेट शाखा प्रमुख श्री मलयकुमार एम पांचाल सहित बैंक के अन्य कार्यपालक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

निवा बुपा हेल्थ इन्सुरेंस ने स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के तहत रायपुर में बीमा अभिकर्ताओं का सम्मेलन संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य जागरूकता मिशन के तहत आज रायपुर के होटल सेलिब्रेशन में बीमा अभिकर्ताओं का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य बीमा के महत्व के बारे में जागरूक करना था। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के तौर पर जयपुर से आए श्री अभिषेक उपाध्याय (निवा बुपा हेल्थ इन्शुरन्स, वाइस प्रेसिडेंट) ने स्वास्थ्य बीमा के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य बीमा न केवल अप्रत्याशित स्वास्थ्य खर्चों से सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि यह एक सुरक्षित और स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। सम्मेलन में बीमा अभिकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों में स्वास्थ्य बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई। सम्मेलन में उपस्थिति बीमा अभिकर्ताओ को निवा बुपा छत्तीसगढ़ हेड श्री अभिषेक सैनी व रायपुर के ब्रांच मैनेजर श्री मनीष साहू द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

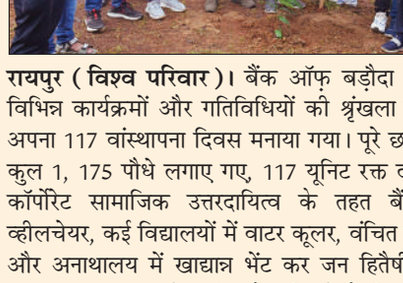

'वार रूम से चलती है 'रेल मदद' : जुलाई 2024 माह में दपूम रेलवे में 3440 यात्रियों को मिली मदद

'यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा के दौरान रेलवे से संबंधित किसी भी प्रकार की मदद के लिए रेलवे द्वारा जारी किए गए इस एप का अधिक से अधिक उपयोग करें'

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्राहक सेवा एवं गुणवत्ता रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारतीय रेलवे ने रेल मदद के नाम से एप जारी किया है, जिसमें पूर्व में जारी सभी हेल्पलाईन नंबरों को समाहित की गई है। हेल्पलाईन नंबर 139 पर काल करने पर भी 'रेल मदद' द्वारा यात्रियों को मदद मिलती है। रेल मदद पर रेल यात्रियो द्वारा मांगी जाने वाली मदद में किसी यात्री को सफर के दौरान जरूरी दवाईयों की जरूरत, किसी को बच्चे के लिए दूध, किसी का सामान छूट गया या फिर कोई महिला अकेले यात्रा कर रही हो, कई बार यात्रियों को वेंडर से शिकायत या फिर अपने आसपास की असामाजिक गतिविधियों के लिए भी रेल यात्रियों द्वारा मदद मांगी जाती है। इसके साथ-साथ साफ-सफाई, पंखे नहीं चल रहे, एसी में कम या ज्यादा कुलिंग, स्विच-सॉकेट काम नहीं कर रहे, बेडरोल, टायलेट में पानी खत्म जैसी समस्याओं का त्वरित निदान किए जा रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल यात्रियों को त्वरित लगभग 10 मिनटों में मदद दिलाने के उद्देश्य से तीनों रेल मंडलो बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के कंट्रोल रूम में वार रूम स्थापित किए गए है। जहां पर पूरे समय 24म7 घंटे उपलब्ध रेलकर्मियों द्वारा रेल यात्रियों द्वारा मांगी गई मदद को उपलब्ध करने हेतु कवायद की जाती है। वार रूम में सभी विभागों के रेलकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है जिसमें रेलवे सुरक्षा बल भी शामिल है। यात्रियों द्वार मांगी गई मदद को पूरा करने हेतु वार रूम में मौजूद संबन्धित विभागों के कर्मी फील्ड स्टाफ से तुरंत संपर्क करता है, और यात्री को मदद पहुंचाई जाती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों में जुलाई 2024 महीने में 1 से 21 जुलाई 2024 तक रेल मदद एप पर यात्रियों द्वारा मांगी गई 3440 मदद को शत-प्रतिशत निदान किया गया है। निदान के पश्चात यात्रियों से प्राप्त फीडबैक में औसत उत्कृष्ट (E&cellent) की रेटिंग मिली है।

रेल मदद एप यात्रियों से प्राप्त मदद के आग्रह के निवारण की स्थिति के बारे में उन्हें लगातार जानकारी मुहैया कराई जाती है। यात्री को इस एप पर रजिस्टेशन के बाद एसएमएस के जरिये उनके द्वारा मागी गई मदद की संख्या तुरंत उपलब्ध कराकर रेलवे द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी भी एसएमएस द्वारा दी जाती है।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा के दौरान रेलवे से संबंधित किसी भी प्रकार की मदद के लिए रेलवे द्वारा जारी किए गए इस एप का अधिक से अधिक उपयोग करें।

सरदारनी शांति रानी छाबड़ा का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है हमारी माताजी सरदारनी शांति रानी छाबड़ा निवासी डॉक्टर विरदी गली मांगडा पारा रायपुर स्व. राम प्रकाश छाबड़ा जी की धर्मपत्नी उनका निधन होग्य उनकी अंतिम यात्रा कल (23 जुलाई मंगलवार) सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान डॉक्टर विरदी गली मांगडा पारा रायपुर, से मारवाड़ी शमशान घाट बूढ़ापारा के लिए जाएगी. शोकाकुल- स. सुरेंद्र सिंह छाबड़ा (पुत्र), स. गुरबचन सिंह छाबड़ा (पुत्र)।

राजकुमार कॉलेज, रायपुर छत्तीसगढ़ की अन्तर्दलीय अंग्रेजी काव्य-पाठ, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024 संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। राजकुमार कॉलेज, रायपुर छत्तीसगढ़ की अन्तर्दलीय अंग्रेज़ी काव्य-पाठ, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024दो चरणों में 19 व 20जुलाई को संपन्न हुई। प्रतियोगिता के पहले दिन कक्षा छठवीं, सातवीं व आठवीं के विद्यार्थियों ने तथा दूसरे दिन कक्षा नवमीं, दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों ने समूह अ, ब तथा स में अपनी-अपनी काव्य-पाठ, कहानी वाचन, भाषण, मोनोलॉग, ट्रैवलॉगव वाद-विवाद की प्रस्तुतियाँ दीं। बारहवीं के विद्यार्थियों के वाद-विवाद का विषय था- तकनीक का उपयोग लोगों को बेहतर बना रहा है।

समूह 'अ'कक्षा बारहवीं में सर्वश्रेष्ठ वाद-विवाद कर्ता के लिए रानी शशिप्रभा देवी कवर्धा कप विजेता राजपूत दल की आरुषि अग्रवाल रहीं। कक्षा ग्यारहवीं में मोनोलॉगके लिए गार्गी जिंदल को और ट्रैवलॉग के लिए आयुषि सेठिया व मोहम्मद फ़रहान अहमदको पुरस्कृत किया गया।समूह 'ब' कक्षा नवमीं व दसवीं में काव्य पाठ के लिए सूर्याक्षी देव को पुरस्कृत किया गया तथा भाषण के लिए तीर्थ बरड़ियाको चुना गया। समूह 'स' कक्षा छठवीं, सातवीं व आठवीं मेंकाव्य पाठ विजेता सिद्धि मेहताव सर्वश्रेष्ठ कहानी वाचन विजेताअयाना जैन और देवांशी सराफ रहीं।राजा श्री जयंत चंद्र मर्दराज द्वारा प्रदत्त नीलगिरि कप का विजेता राजपूत दल रहा।

निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में डॉ. चितरंजन कर, डॉ. दीपाली शर्मा और डॉ. बासुमति नाडिग उपस्थित रहे।समूह अ, ब और स के विजेताओं को प्राचार्य कर्नल अविनाश सिंह व निर्णायक मंडल ने पुरस्कृत किया तथा शेष प्रतिभागियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। डॉ. चितरंजन करने कहा- प्रतिभागियों ने यह साबित कर दिया है कि शब्द कितने प्रभावशाली होते हैं। नन्हीं प्रतिभाओं के उच्च स्तरीय वाचन कौशल को देखकर बेहद प्रसन्नता का अनुभव हुआ। उक्त कार्यक्रम विद्यार्थियों के वाचन कौशल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम मेंकक्षा छठवीं, सातवीं और आठवीं (समूह स) के 48 विद्यार्थियों ने, कक्षा नवमीं और दसवीं (समूह ब) के 16 विद्यार्थियों ने, कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं (समूह अ) के 20 विद्यार्थियों ने और 12 माइकसंचालकों अर्थात् कुल 96 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय, उप प्राचार्य महोदय, महाराज कमल चंद्र भंज देव, विद्यालयीन छात्र, अभिभावक व शिक्षकवृंद उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहा। प्राचार्य महोदय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहाकि छात्रों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ये मंचीय प्रस्तुतियाँ उनके वाचन कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

दैनिक विश्व परिवार से जुड़ें...

छत्तीसगढ़ के सबसे विश्वसनीय दैनिक समाचार पत्र एवं वेबसाइट **''दैनिक विश्व परिवार''** से जुड़े और पाए अपनी खबरों को प्रकाशित कराने अवसर।

''दैनिक विश्व परिवार'' दे रहा है सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में युवा एवं प्रतिभावान पत्रकारों को मौका अपने जिले की हर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कराने का अवसर।

साथ ही छत्तीसगढ़ के समस्त जिले, विधानसभा, ब्लॉक स्तर पर रिपोर्टरों और विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है। अपनी खबरों को **''दैनिक विश्व परिवार''** के माध्यम से जनता तक पहुंचाए। हमसे जुड़ने के लिए निचे दिए गए नंबर पर करे अपनी खबरे साजा।

सम्पर्क : 99810-93065, 62662-63552

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर

पलकों का न खुलना
टोसिस PTOSIS का ईलाज
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न Food Licence
इन्कम TAX फाईल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354